696वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 22 नवम्बर 2023

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल से पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु प्राप्त परियोजनाओ के तकनीकी परीक्षण हेतु राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की 696वीं बैठक दिनांक 22/11/2023 को डॉ. पी.सी. दुबे की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें समिति के निम्नलिखित सदस्य स्वयं/वीडियों कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहें :–

1. श्री राघवेन्द्र श्रीवास्तव, सदस्य ।
2. प्रो. (डॉ.) रूबीना चौधरी, सदस्य ।
3. डॉ. ए.के. शर्मा, सदस्य ।
4. प्रो. अनिल प्रकाश, सदस्य ।
5. डॉ. जय प्रकाश शुक्ला, सदस्य ।
6. डॉ. रवि बिहारी श्रीवास्तव, सदस्य ।
7. सदस्य सचिव के प्रतिनिधि ।

सभी सदस्यों द्वारा अध्यक्ष महोदय के स्वागत के साथ बैठक प्रारंभ करते हुए बैठक के निर्धारित एजेण्डा अनुसार पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु प्राप्त प्रोजेक्ट्सों का तकनीकी परीक्षण निम्नानुसार किया गया :–

1. <u>Case No 8479/2021 Shri Vishnu Patidar S/o Shri Dev Singh Patidar, Village – Kannod Mirji, Distt. Sehore (M.P.) Prior Environment Clearance for Stone Quarry 3.70 ha. (19012 Cum per annum) (Khasra No. 364/2),Village – Kanood Mirji, Tehsil – Astha, Distt. Sehore (M.P) -EIA.</u>

प्रस्तावित खदान का ईआईए प्रस्तुतीकरण है, जिसमें आज दिनांक 22/11/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री विष्णु पाटीदार एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री वरूण भारद्धाज, मेसर्स जेनिथ इंवायरोमेंट कंसल्टेंसी, नोएड, उ.प्र. उपस्थित हुए उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
श्रेणी (बी–1/बी–2)	बी–1 श्रेणी के अंतर्गत प्रकरण ईआईए प्रस्तुतीकरण का है ।	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी का नाम व पता	Shri VISHNU PATIDAR, Owner, S/o Shri Dev Singh Patidar, Village - Kannod Mirji, District - Sehore, Madhya Pradesh.	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	364/2 (सरकारी –नॉन फॉरेस्ट लेंड)	3.70 hectare.
स्थल	Village- Kannod Mirji, Tehsil- Ashta, District- Sehore (M.P.).	
लीज स्वीकृति	कार्यालय संचालक एवं भौमिकी एवं खनिकर्म, म.प्र. के पत्र क्रमांक 15964 दिनांक 21/12/20 के द्वारा स्वीकृत ।	

696वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 22 नवम्बर 2023

नया/क्षमता विस्तार	नया प्रोजेक्ट ।
टॉर	सेक की बैठक क्रमांक 497 दिनांक 05/04/2021 द्वारा टॉर सिया को अनुसुचित किया गया था एवं सिया के पत्र क्रमांक 862 दिनांक 24/05/21 के द्वारा पत्थर–19,012 घनमीटर/वर्ष के लिए टॉर जारी किया गया है, जिसके अनुसार परियोजना प्रस्तावक द्वारा ईआईए रिपोर्ट समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई है ।
ब्लास्टिंग/रॉक ब्रेकर	अनुमोदित खनन् योजना अनुसार ब्लास्टिंग प्रस्तावित है ।
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा पत्थर–19,012 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन् योजना अनुसार पत्थर–19,012 घनमीटर/वर्ष है।
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला सिहोर के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 1682 दिनांक 08/02/21 अनुसार 500 मीटर की परिधि में 02 अन्य खदानें संचालित/स्वीकृत है, इस प्रकार कुल रकबा 07.70 हे. होता है, अतः प्रकरण बी–1 श्रेणी का है।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला सिहोर के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 1682 दिनांक 08/02/21 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य/ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला सिहोर के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 1682 दिनांक 08/02/21 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/नदी/ तालाब/ बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता/नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत कन्नौद मिर्जी जिला सिहोर के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक 01 दिनांक 07/09/18 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन् कार्य से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है ।
गूगल इमेज अनुसार वर्तमान स्थिति	खदान क्षेत्र के बीच में रेखिय रूप से खुदा हुआ है।
	पश्चिम दिशा– एक पक्का रोड खदान के पश्चिमी से लगी हुई है। इस संबंध में सेट बेक छोड़ना प्रस्तावित है।
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.–53 के सरल क्रमांक–49 पर दर्ज है ।
जन सुनवाई	जन सुनवाई में प्राप्त आपत्तियॉ/सुझाव को पर्यावरणीय प्रबंधन योजना / सी.एस.आर में बजट के साथ शामिल किया गया है ।

प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक खदान क्षेत्र के बीच में रेखिय रूप से खुदा हुआ है इस संबंध में द्वारा नायब तहसीलदार के पत्र क्रमांक 104 दिनांक 18/09/2023 को प्रस्तुत किया पत्र में उल्लेख है कि एलएनटी कम्पनी द्वारा नर्मदा पाइप लाइन की सप्लाई लाइन हेतु एक नाली बनाई गयी थी कम्पनी द्वारा कलेक्टर महोदय को प्रेषित अपने पत्र क्रमांक 03/04/23 के माध्यम से सूचित किया गया है कि पाइप लाइन स्थानत्रित किए जाने की कार्यवाही हेतु लिखा गया हैं। खदान क्षेत्र में एक पक्का रोड, खदान के पश्चिमी सीमा से लगी हुई है इस संबंध में परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि निर्धारित 200 मीटर छोड़ने पर खनन योग्य क्षेत्र उपलब्ध नही होता अतः उनके द्वारा नॉनब्लासटिंग का रॉक ब्रेकर पर आधारित संशोधित माइनिंग प्लान प्रस्तुत किया जावेगा।

प्रस्तुतीकरण उपरांत समिति ने परियोजना प्रस्तावक को निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिये :

- एक पक्का रोड खदान के पश्चिमी से लगी हुई है। अतः इस संबंध में निर्धारित 200 मीटर स्थानवार मापदंड दर्शाते हुए सरफेस मेप प्रस्तुत करे।
- परियोजना प्रस्तावक सक्षम अधिकारी से अनुमोदित नॉनब्लासटिंग का रॉक ब्रेकर पर आधारित संशोधित माइनिंग प्लान प्रस्तुत किया जावें।

2. <u>Case No 10657/2023 Shri Subhash Chandra karnavat, Junior Manager (General), M P STATE MINING CORPORATION, Office of the Collector, Alirajpur, Prior Environment Clearance for Amkhut Sand Deposit in an area of 1.80 ha. (2178 cum per year) (Khasra No. 274), Village-Amkhat, Tehsil-Alirajpur, District-Alirajpur (MP) – B2</u>

परियोजना प्रस्तावक श्री सुभाष चंद्र कर्णावत , खनिज अधिकारी श्री सतिश नागले एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार डॉ0. शशांक शेखर मिश्रा मेसर्स ईको कंसटेंट सर्विस, लखनऊ, उ.प्र. के द्वारा दिनांक 21/11/23 को परिवेश पोर्टल पर अपलोड जानकारी अनुसार जिला अलीराजपुर के अनुमोदित डी.एस.आर के पृष्ठ **क्रमांक–56 के सरल क्रमांक–49 पर सूचीबद्ध रेत खदान के संबंध में** समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया ।

खदान नाला पर ग्राम Amkhut के निकट 1.8 ha. हे. क्षेत्रफल पर 2178 घनमीटर/वर्ष उत्पादन क्षमता हेतु प्रस्तावित है। समिति द्वारा खदान से संबंधित माईनिंग प्लान, डी.एस.आर., के.एम.एल तथा जिला प्रशासन द्वारा जारी एकल प्रमाण पत्र का समिति द्वारा अवलोकन किया गया, जिसके आधार पर बी–2 श्रेणी अंतर्गत मूल्यांकन किया गया है। उपरोक्त तथ्यों के परीक्षण अनुसार संवेदनशील पैरा मीटर्स के आधार पर परियोजना प्रस्तावक द्वारा सरफेस मेप तथा परिवहन मार्ग तैयार किया गया है।

परीक्षण के दौरान समिति ने पाया कि यह खदान नाला में स्थित है। लीज क्षेत्र से पूर्व दिशा में 121 मी. की दूरी पर 90 मी. लम्बा पक्का रोड़ ब्रिज है। परियोजना प्रस्तावक/माईनिंग अधिकारी द्वारा अनुरोध किया गया कि संरचना की सुरक्षा की दृष्टि से खनन् कार्य, संरचना से कितनी न्यूनतम दूरी

पर संपन्न किया जाये इस संबंध में सक्षम विषय विशेषज्ञ प्राधिकारी (ब्रिज कॉर्पोरेशन विभाग/जलसंसाधन विभाग/पी.डब्ल्यू.डी विभाग) से अभिमत प्राप्त होने पर प्रस्तुत किया जावेगा । परियोजना प्रस्तावक/माईनिंग अधिकारी के उक्त अनुरोध को मानते हुये समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि इस संबंध में परियोजना प्रस्तावक/माईनिंग अधिकारी द्वारा अभिमत प्राप्त कर सेक समिति के समक्ष प्रस्तुत करने पर प्रकरण में पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु विचार किया जावेगा। खनिज अधिकारी ने अवगत कराया की विगत 3 वर्ष से खदान का संचालन नही हुआ है अतः इस संबंध में भी ब्रिज कॉर्पोरेशन विभाग/जलसंसाधन विभाग/पी.डब्ल्यू.डी विभाग से अभिमत प्राप्त किया जाना आवश्यक है।

3. <u>Case No 10543/2023</u> <u>Shri SHASHI SINGH, AUTHORIZED PERSON, The Madhya Pradesh State Mining Corporation Limited, Paryavas Bhawan, Block No. 1 (A), Second Floor, Jail Road, Arera Hills, District - Bhopal (M.P.) 462011. Prior Environment Clearance for Gangai River Sand Quarry in an area of 4.00 ha. (64800 cum per year) (Khasra No. 400/1), Village-Gangai, Tehsil-Gadarwara, District-Narsinghpur (MP). Query reply.</u>

प्रस्तावित खदान का समिति की 678वीं बैठक दिनांक 13/9/23 को प्रस्तुतीकरण हुआ था । प्रकरण के परीक्षण दौरान समिति ने पाया कि यह खदान सीतारेवा नदी में स्थित है, खदान से 107 मी. की दूरी पर पक्का रोड ब्रिज है, तथा खदान क्षेत्र डाउन स्ट्रीम में पक्का रोड ब्रिज 107 मी. की स्थिति में है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत सरफेस मेप में सेन्ड माईनिंग गाईडलाईन्स 2020 के अनुसार निर्धारित दूरी छोडते हुये सेटबेक नहीं दर्शाया गया है, अतः समिति ने परियोजना प्रस्तावक को निर्देश दिये की सेन्ड माईनिंग गाईडलाईन्स के अनुसार निर्धारित दूरी छोडने के पश्चात पुनरीक्षित सरफेस मेप प्रस्तुत करें, तत्पश्चात् आपके प्रकरण पर विचार किया जायेगा।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा उपरोक्त जानकारी परिवेश पोर्टल पर अपलोड कर दी गई है । प्रकरण को समिति के समक्ष आज दिनांक 22/11/23 परीक्षण हेतु रखा गया है, जिसमें परियोजना प्रस्तावक श्री शशि सिंह एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री संचित कुमार, मेसर्स कांग्नीजेंस रिसर्च इंडिया प्रा.लि., नोएडा, उ.प्र. उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष खनिज अधिकारी द्वारा अपने पत्र क्रमांक 1534 दिनांक 12/09/2023 खदान क्षेत्र के पुनरीक्षित कॉर्डीनेटस प्रस्तुत किये गए, समिति ने निर्देश दिये कि संबंधित खनिज अधिकारी संशोधित डीएसआर समिति के समक्ष प्रस्तुत करें। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत कॉर्डीनेटस से निर्मित गुगल ईमेज अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि एक बड़े स्वरूप का रोड़ ब्रिज खदान क्षेत्र के एक किलोमीटर के अन्दर स्थित है। परियोजना प्रस्तावक/माईनिंग अधिकारी द्वारा अनुरोध किया गया कि संरचना की सुरक्षा की दृष्टि से खनन् कार्य, संरचना से कितनी न्यूनतम दूरी पर संपन्न किया जाये इस संबंध में सक्षम विषय विशेषज्ञ प्राधिकारी (ब्रिज कॉर्पोरेशन विभाग/जलसंसाधन विभाग/पी.डब्ल्यू.डी विभाग) से अभिमत प्राप्त होने पर प्रस्तुत किया जावेगा । परियोजना प्रस्तावक/माईनिंग अधिकारी के उक्त अनुरोध को मानते हुये समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि इस संबंध में परियोजना प्रस्तावक/माईनिंग अधिकारी द्वारा अभिमत प्राप्त कर सेक समिति के समक्ष प्रस्तुत करने पर प्रकरण में पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु विचार किया जावेगा।

4. <u>Case No 10455/2023 Shri Nitin Chouhan, Owner, R/o 27, Sukhniwas, District-Indore (MP)-453331, Prior Environment Clearance for Sitapat Crusher Stone Quarry in an area of 1.55 ha. (12500 cum per year) (Khasra No. 209/1/1), Village-Sitapat, Tehsil-Mhow, District-Indore (MP)- Query reply.</u>

प्रस्तावित खदान का समिति की 680वीं बैठक दिनांक 15/9/23. को प्रस्तुतीकरण हुआ था । समिति ने प्रकरण के परीक्षण उपरांत परियोजना प्रस्तावक को निर्देशित किया कि ई.सी. शर्तो के अनुसार फेंसिंग, वृक्षारोपण एवं स्थायी प्रकृति का समाजिक कार्य की प्रमाणिक प्रति एवं अन्य शर्तो का शत् प्रतिशत पालन प्रतिवेदन एवं दस्तावेज, व्यय, जियो टेग फोटोग्राफ सहित प्रस्तुत करें, साथ ही यह भी निर्देश दिया कि डिया की पर्यावरणीय स्वीकृति की शर्तो के अनुसार एवं प्रस्तावित योजना के अनुसार न्यूनतम 25 प्रतिशत पौधे का क्रियान्वयन प्रस्तुत करेगें, तब उनके प्रकरण पर विचार किया जायेगा ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा उपरोक्त जानकारी परिवेश पोर्टल पर अपलोड कर दी गई है । प्रकरण को समिति के समक्ष आज दिनांक 22/11/23 परीक्षण हेतु रखा गया है, जिसमें परियोजना प्रस्तावक नितिन चौहान एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री अंकुर शर्मा, मेसर्स कांग्नीजेंस रिसर्च इंडिया प्रा. लि., नोएडा, उ.प्र. उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया ।

यह प्रकरण डिया द्वारा जारी पर्यावरणीय स्वीकृति के री–एपराईजल हेतु प्राप्त हुआ है। प्रस्तुत प्रकरण को डिया से ईसी प्राप्त हुई है। परियोजना प्रस्तावक एवं उनके सलाहकार द्वारा दिया गया प्रस्तुतीकरण पूर्ण नहीं पाया गया। अतः समिति द्वारा पुनः निम्न बिन्दुओं पर जानकारी एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत करने हेतु निर्देश दिये गयेः

1. Copy of Form-I
2. Land status/P2:
3. Area & Location with Khasra no:
4. Current Ekal Praman Patra
5. Status of Eco-Sensitive Zone (mentioned in Old & new Ekal Praman Patr/SEIAA Proposal/DEIAA EC)
6. Production capacity and year wise production details, in tabular form till today:
7. OB Dump and waste management with facts and figures:
8. Top soil management with soil profile:
9. Detail of old Environment Clearance with validity period:
10. EC transfer details (if any), old EC no.....date.....
11. Lease agreement details with compliance of LRC provisions
12. Water requirement (KLD):
13. Green Area: in hac. & Number of plants to be planted (Proposed)
14. No of trees & tree felling total tree inventory with photos:
15. Work Done under CER with coordinates, photos & verifiable proof:

16.Compliance of EC conditions (EC granted by DEIAA):

- Tree plantation (Target/compliance/ Photographs)
- GPS Photo graphs of at least 25% plantation for the proposed plantation.
- Fencing work (Polygon with GPS photos showing complete fencing in total periphery)
- GPS Photo graphs of Garland drains length & number & size of settling tanks
- Detail of plants distribution with list : name of villager's, mobile number, number of plants name of village.
- Verifiable proof of CER

17. Drone photograph of 500 m radius of proposed area.

18. Carbon footprint.

19. Compliance of water/ air consents issued by MPPCB.

Note: 1. Form-I should tally with presentation (PPT) figures

2. Furnished data should be supported with Geo-tagged photographs.

3. Surface plan should include over burden storage and details of crusher location (established/to be established) with all norms.

5. <u>Case No 10351/2023 Shri Nahar Patharn, Junior Manager, Ward no. 03, Rambhapur Road, POST- Meghnagar, Jhabua, Prior Environment Clearance for Konta Uttar Sand Deposit in an area of 4.00 ha. (24000 cum per year) (Khasra No. 555), Village-Konta, Tehsil-Moman Badodiya, District-Shajapur (MP). Query reply.</u>

प्रस्तावित खदान का समिति की 678वीं बैठक दिनांक 13/09/23 को प्रस्तुतीकरण हुआ था । प्रस्तुतीकरण के दौरान ऑनलाईन अपलोडेड गूगल ईमेज एवं परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत की गई के.एम.एल. ईमेज के कॉर्डिनेट का मिलान नहीं हो रहा है। अतः समिति ने परियोजना प्रस्तावक को निद्रेशित किया कि खदान क्षेत्र की खनिज अधिकारी से प्रमाणित कर गूगल ईमेज प्रस्तुत करें, तदुपरांत आपके प्रकरण पर विचार किया जावेगा अनुसार आवंटित खनन् क्षेत्र पानी में डूबा है जिसके संदर्भ में **परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि मार्च–अप्रैल में नदी का पानी उतर जाने पर खनन् योग्य क्षेत्र उपलब्ध होता है जिसकी पुष्टि उपस्थित खनिज अधिकारी द्वारा की गई।**

परियोजना प्रस्तावक द्वारा उपरोक्त जानकारी परिवेश पोर्टल पर अपलोड कर दी गई है । प्रकरण को समिति के समक्ष आज दिनांक 22/11/23 परीक्षण हेतु रखा गया है, जिसमें परियोजना प्रस्तावक श्री नाहर एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार डॉ0. शशांक शेखर मिश्रा, मेसर्स इको कंसल्टेंट सर्विसेस, लखनऊ, उ.प्र. एवं श्री गणेश सोनारे, मानचित्रकार उपस्थित हुए उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया एंव साथ में जिले के खनिज अधिकारी समिति के समक्ष भी उपस्थित थे। परियोजना प्रस्तावक द्वारा अवगत कराया की प्रश्नाधीान खदान का उपलब्ध मात्रा संबंधी विवरण अनुमोदित डी.एस.आर के पृष्ठ **क्रमांक–48 के सरल क्रमांक–4 पर सूचीबद्ध है। परिक्षण के दौरान समिति ने पाया की खदान क्षेत्र काली सिंध नदी पर स्थित है जिसका अधिकांश भाग डूबा हुआ है उपस्थित खनिज अधिकारी द्वारा पुनः अवगत कराया गया की** कि मार्च–अप्रैल में नदी का पानी उतर जाने पर **कुछ हिस्सा सूख जाता है अतः खनन हेतु आवश्यक रेत की मात्रा उपलब्ध हो जाती है। इस संबंध में उनके द्वारा अपने पत्र क्र. 1306 दिनांक 22/11/2023 प्रस्तुत किया गया जिसके उल्लेख है**

कि खदान का वर्ष 2020 में नीलाम हुई थी वर्तमान में अतिंम रूप से घोषित कोंटा उत्तर रेत का कुल रकबा 4.000 हे. तथा खनन योजना के अनुसार 24000 घनमीटर अनुमोदित की गयी है। ठेकेदार द्वारा कुछ अवधि द्वारा समर्पण कर दिया गया है। वर्तमान में रेत खदान शिथिल अवस्था में है। अतः समिति ने निर्णय लिया की खनन योजना के अनुसार रेत की 24000 घनमीटर मात्रा प्रस्तावित की जा सकती हैं।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत जानकारी एवं दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति निम्नानुसार विशिष्ट शर्तो एवं संलग्नक–बी अनुसार स्टेण्डर्ड शर्तो के साथ अनुमोदित खनन् योजना अनुसार अधिकतम् उत्पादन क्षमता रेत–24,000 घनमीटर/वर्ष घनमीटर/वर्ष हेतु पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :–

1. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रू. 02.52 लाख एवं रिक्रिंग राशि रू. 01.81 लाख प्रति वर्ष ।
2. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रू. 0.08 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :–

सी.इ.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि(रु. में)
सन्तरा, नीम्बू, सीताफल, आम व करौंदा का नदी क्षेत्र से लगे किसानों को वितरण किये जाने हेतु।	8,000/-

3. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 3 वर्षो तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख–रखाव के साथ) कम से कम 1500 वृक्षों का वृक्षारोपण :–

कं.	वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियॉ	मात्रा (संख्या में)
1	नदी के किनारों पर (नदी तट से 1 से 6 पंक्तियों में)	3–1पंक्ति - खस, नागरमोथा, लेमन ग्रास एवं स्थानीय घास प्रजातियाँ (दूरी 2.0 से 2.5फीट प्रति पौधा)	200
		5–4पंक्ति –कटंग बांस) दूरी 2.5 से 3.0 मीटर प्रति पौधा(	250
		6पंक्ति –अगय, करौंदा, सीताफल, करंज, जामुन, कहवा, अर्जुन, एवं अन्य फलदार वृक्ष एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ जिनको जानवरों द्वारा नुकसान न पहुँचाया जा सके	250

		)दूरी 3.0 से 5.0 मीटर प्रति पौधा)	
2	ग्राम कोंटा के ग्रामवासियों में वितरण हेतु	बरगद, पीपल, अर्जुन, शहतुत, जामुन, कटंग बास की प्रजातिया प्रमुख रूप से व पौधों की ऊंचाई 1.5 मी0 से ऊपर हो व अन्य फलदार वृक्ष एवं अन्य स्थानीय प्रजाजियां।	800

- ✓ वृक्षों का रोपण एवं वितरण प्रथम वर्ष में पोधों का रख–रखाव स्वयं/ग्राम पंचायत/स्थानीय वन समिति /स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था/सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा खनन् अवधि तक कराया जायेगा।
- ✓ प्रस्तावित परियोजना में किसी भी पेड़ को काटा/उखाड़ा नहीं जायेगा ।
- ✓ एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पोधे STAGGRED (आड़े–तिरछे) लगाये जायेंगे।

टीप :वृक्षारोपण, बीजारोपण एवं रख–रखाव, मौके पर स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आस पास पौधरोपण हेतु जगह उपलब्धता लंबाई एवं चौड़ाई में नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में/ग्रामीण स्कूल/पुलिस थाना/आंगनवाड़ी केंद्र/तहसील कार्यालय/ अन्य शासकीय भूमि, विभाग की सहमति पर पौधरोपण एवं रख – रखाव किया जावेगा। परिवहन मार्ग या अन्य स्थलो पर स्थनीय परिस्थितियो के कारण पर रोपण संभव न होने की स्थिति में नदी क्षेत्र से लगे ग्रामीणों को फलदार, बाँस पौधे प्रदाय किये जावेगें तथा नदी क्षेत्र से लगे कृषको को प्राथमिकता दी जावेगी तथा पौधारोपण की शर्त अनुसार संख्या की पूर्ती की जा सकेगी।

अनुशंसा– प्रस्तुतीकरण एवं समीक्षा के आधार पर उपरोक्त विशिष्ट शर्तो के साथ परियोजना को पूर्व पर्यावरण स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा की जाती है।

6. <u>Case No 10298/2023 Shri Nahar Patharn, Junior Manager, Ward no. 03, Rambhapur Road, POST- Meghnagar, Jhabua. Prior Environment Clearance for Karju Sand Deposit in an area of 4.00 ha. (24000 cum per year) (Khasra No. 373, 896/1), Village-Karju, Tehsil-Moman Badodiya, District-Shajapur (MP)</u>

प्रस्तावित खदान का समिति की 678वीं बैठक दिनांक 13/09/23 को प्रस्तुतीकरण हुआ था । प्रकरण के परीक्षण दौरान समिति ने पाया कि यह खदान कालीसिंध नदी में स्थित है, जिसका कुछ भाग पानी डूबा होने तथा खदान क्षेत्र डाउन स्ट्रीम में चेक डेम 287 मी. की स्थिति में है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत सरफेस मेप में सेन्ड माईनिंग गाईडलाईन्स 2020 के अनुसार निर्धारित दूरी छोडते हुये सेटबेक नहीं दर्शाया गया है, अतः समिति ने परियोजना प्रस्तावक को निर्देश दिये की सेन्ड माईनिंग गाईडलाईन्स के अनुसार निर्धारित दूरी छोडने के पश्चात पुनरीक्षित सरफेस मेप प्रस्तुत करें, तत्पश्चात् आपके प्रकरण पर विचार किया जायेगा।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा उपरोक्त जानकारी परिवेश पोर्टल पर अपलोड कर दी गई है । प्रकरण को समिति के समक्ष आज दिनांक 22/11/23 परीक्षण हेतु रखा गया है, जिसमें परियोजना प्रस्तावक श्री

नाहर एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार डॉ0. शशांक शेखर मिश्रा, मेसर्स इको कंसल्टेंट सर्विसेस, लखनऊ, उ.प्र. एवं श्री गणेश सोनारे, मानचित्रकार उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया एंव साथ में श्री मोहम्द आरिफ खान, खनिज अधिकारी समिति के समक्ष भी उपस्थित थे। परियोजना प्रस्तावक द्वारा अवगत कराया की प्रश्नाधीान खदान का उपलब्ध मात्रा संबंधी विवरण अनुमोदित डी.एस.आर के पृष्ठ क्रमांक–48 के सरल क्रमांक–3 पर सूचीबद्ध है। परिक्षण के दौरान समिति ने पाया की खदान क्षेत्र काली सिंध नदी पर स्थित है जिसका अधिकांश भाग डूबा हुआ है तथा 248 मीटर दूरी पर एक चेक डेम स्थित है, इस संबंध में सेड मांइनिग गाईड लाइन के अनुसार 01 मीटर छोड़ने खदान समाप्त हो जाती है, उपस्थित खनिज अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया की कि मार्च–अप्रैल में नदी का पानी उतर जाने पर कुछ हिस्सा सूख जाता है, जिसका परिक्षण एवं पुष्टि समिति ने गुगल ईमेज का अवलोकन मई 2022 के माध्यम से की। इस संबंध में उनके द्वारा अपने पत्र क्र. 1306 दिनांक 22/11/2023 प्रस्तुत किया गया जिसके उल्लेख है कि खदान का वर्ष 2020 में नीलाम हुई थी वर्तमान में अतिंम रूप से घोषित कोंटा उत्तर रेत का कुल रकबा 4.000 हे. तथा खनन योजना के अनुसार 24000 घनमीटर अनुमोदित की गयी है। ठेकेदार द्वारा कुछ अवधि द्वारा समर्पण कर दिया गया है। वर्तमान में रेत खदान शिथिल अवस्था में है **तथा स्टॉप डेम के संबध में एनओसी प्राप्त की जा रही है।**

परियोजना प्रस्तावक/माईनिंग अधिकारी द्वारा अनुरोध किया गया कि संरचना की सुरक्षा की दृष्टि से खनन् कार्य, संरचना से कितनी न्यूनतम दूरी पर संपन्न किया जाये इस संबंध में सक्षम विषय विशेषज्ञ प्राधिकारी (ब्रिज कॉर्पोरेशन विभाग/जलसंसाधन विभाग/पी.डब्ल्यू.डी विभाग) से अभिमत प्राप्त होने पर प्रस्तुत किया जावेगा । परियोजना प्रस्तावक/माईनिंग अधिकारी के उक्त अनुरोध को मानते हुये समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि इस संबंध में परियोजना प्रस्तावक/माईनिंग अधिकारी द्वारा अभिमत प्राप्त कर सेक समिति के समक्ष प्रस्तुत करने पर प्रकरण में पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु विचार किया जावेगा।

7. Case No 10669/2023 Shri Ram Krishna Tiwari, Authorized Person, M/s SHREEJI INFRASTRUCTURE INDIA PRIVATE LIMITED, Jabalpur (M.P.) Prior Environment Clearance for Chapda Stone Quarry in an area of 3.00 ha. (299999 cum per year) (Khasra No. Old Khasara no. 62), Village- Chapda, Tehsil- Bagli, District- Dewas-TP

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 22/11/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री राम कृष्ण तिवारी एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री राम राधव, मेसर्स ग्रीन सर्कल आईएनसी, बडौदा, गुजराज उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी	Shri Ram Krishna Tiwari, Authorized Person, M/s SHREEJI INFRASTRUCTURE INDIA PRIVATE LIMITED, Jabalpur (M.P.)

696वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 22 नवम्बर 2023

का नाम व पता		
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	62 (सरकारी –नॉन फॉरेस्ट लेंड)	3.00 hectare.
स्थल	Village- Chapda, Tehsil- Bagli, District- Dewas (M.P.).	
लीज स्वीकृति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला देवास के पत्र क्रमांक 1668 दिनांक 29/08/23 के द्वारा स्वीकृत ।	
श्रेणी (बी–1/बी–2)	बी–2	
ब्लास्टिंग/रॉक ब्रेकर	अनुमोदित खनन् योजना अनुसार ब्लास्टिंग प्रस्तावित है ।	
नया/क्षमता विस्तार	नया प्रोजेक्ट ।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा पत्थर–2,99,999 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन् योजना अनुसार पत्थर–2,99,999 घनमीटर/वर्ष है।	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला देवास के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 1898 दिनांक 20/09/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदानें संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी–2 श्रेणी का है।	
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला देवास के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 1898 दिनांक 20/09/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य/ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।	
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला देवास के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 1898 दिनांक 20/09/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/नदी/ तालाब/ बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता/नाला नहीं है ।	
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत चापड़ा जिला देवास के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक–2 दिनांक 01/07/23 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन् कार्य से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है ।	
वृक्षों की वर्तमान स्थिति	खदान क्षेत्र में 03 वृक्ष स्थित है जिनमें से एक पेड़ काटा जाना प्रस्तावित है। Additional tree to be planted -10	
गूगल इमेज अनुसार वर्तमान स्थिति	उत्तर दिशा– एक या दो मकान–207 मीटर	
	दक्षिण दिशा– पाइप स्टोरेज–154 मी.	
	पश्चिम दिशा– पक्का रोड़–200मी. एवं कच्चा रोड़–27 मी.	
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला देवास के पत्र क्रमांक 1896	

की स्थिति	दिनांक 20/09/23 अनुसार नवीन डिस्ट्रिक सर्वे रिपोर्ट में उक्त खदान सम्मिलित कर ली जावेगी । समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय स्तरीय पर्यावरण समाघॉत निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तो एवं स्टेण्डर्ड शर्तो संलग्नक–ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती हैः–

1. अनुमोदित खनन् योजना अनुसार अधिकतम् उत्पादन क्षमता पत्थर–2,99,999 मी^{3} प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रू. 14.92 लाख एवं रिक्करिंग राशि रू. 03.94 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रू. 02.50 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :–

सी.इ.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	**राशि (रु. में)**
ग्राम चापड़ा स्थित पी.एच.सी में सहयोग राशी ई.सी. प्राप्त होने के 3 माह के भीतर प्रदान कर दि जावेगी	2,50,000/-

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 01 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख–रखाव के साथ) कम से कम 3610 वृक्षों का वृक्षारोपण :–

कं.	**वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान**	**पौधों की प्रजातियॉ**	**मात्रा (संख्या में)**
1	बैरियर जोन में	स्थानीय पौधों की प्रजातियांजैसेः–नीम, खमेर, कालासिरिस, सिस्सू ,जंगल जलेबी , करंज, चिरोल , सफेदसिरिस, पीपलआदि	765
2	परिवहन मार्ग में (न्यूनतम ऊॅचाई 1.5 मीटर ट्री–गार्ड के साथ)	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसेः– नीम, सिस्सू, चिरोल, कदम्ब, करंज,पाकर ,पीपलआदि।	230
3	शासकीय शालाचापड़ाके परिसरमें	स्थानीय पौधों की प्रजातियांजैसेः–कदम्ब, करंज,नीम, सिस्सू, पीपल, पाकर . पुत्रंजीवा,	100

		आदि।	
4	शासकीय शालाबागली के परिसरमें	स्थानीय पौधों की प्रजातियांजैसेः—कदम्ब, करंज,नीम, सिस्सू, पीपल, पाकर . पुत्रंजीवा, आदि।	50
5	पास के गांव में पौधे का वितरण	स्थानीय पौधों की प्रजातियांजैसेः—संतरा, आमला, नींबू, सीताफल, आम, अनार, मुनगा, कटहल आदि।	2465
उपरोक्तानुसार वृक्षारोपण प्रथम वर्ष में किया जायें एवं 03 वर्ष तक उन पौधों का रख—रखाव / मृत पौधों का बदलाव खनन् अवधि तक किया जाये । गरलेण्ड ड्रेन तथा सेटलिंग टैंक के बंड पर स्थानीय बीज बोबाई कर उनका सरंक्षण किया जाना । परियोजना प्रस्तावक ग्रामीणों में पौधों का वितरण के समय गॉव का नाम, लाभांवित व्यक्ति का नाम एवं प्रजाति का विवरण देते हुए पर्यावरणीय स्वीकृति के पालन प्रतिवेदन में शामिल करेंगे ।			
		कुल	

अनुशंसा— प्रस्तुतीकरण एवं समीक्षा के आधार पर उपरोक्त विशिष्ट शर्तो के साथ परियोजना को पूर्व पर्यावरण स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा की जाती है।

8. <u>Case No 9757/2023 Shri Narayan Das Vaishya, Partner, M/s Singrauli Mineral Products Private Limited, R/o Village-Gadsa, Post-Pondi Naugai, Tehsil-Singrauli, District-Singrauli (MP)-486886, Prior Environment Clearance for Phulwari Stone Quarry in an area of 3.00 ha. (45230 Cum per annum) (Khasra No. 290, 291), Village-Phulwari, Tehsil-Singrauli, District- Singrauli (MP).</u>

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 290, 291 Govt.), Village-Phulwari, Tehsil-Singrauli, District- Singrauli (MP) 3.00 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

<u>The project detail submitted by PP are as given below:</u>

Form – II Details			
S N	**Projects Details**		**Remarks**
1.	Name of the project / Company / Organisation	Prior Environment Clearance for Phulwari Stone Quarry in an area of 3.00 ha. (45,230 Cum per annum) (Khasra No. 290, 291), Village-Phulwari, Tehsil-Singrauli, District- Singrauli (MP) [419202]	
2.	Name of the Applicant and Address	Shri Narayan Das Vaishya, Partner, M/s Singrauli Mineral Products Private Limited, R/o Village-Gadsa, Post-Pondi Naugai, Tehsil-Singrauli, District-Singrauli (M.P.).-486886, E-mail-	

		singraulimineralproductspvtltd@gmail.com, Mobile-9754091254		
3.	Proposal No	SIA/MP/MIN/419202/2023		
4.	Khasra No. / Lease Area (Govt. or Private)	Kh No. - 290, 291,	**3.00Ha.**	Govt. Land
5.	Location of Project	at 290, 291), Village-Phulwari, Tehsil-Singrauli, District- Singrauli (MP)		
6.	Project Cost	35 Lakh.		
7.	Production Quantity in m3/year	Stone – 45,230 Cubic Meter/Year,		
8.	ToR Status	ToR Recommended in 632nd SEAC Meeting dated 21/03/2023.		
9.	Date of Public Hearing	02/09/2023.		
10.	CGWA / G S NOC	Undertaking : आवेदक द्वारा सूचित किया है, कि खदान संचालन के दौरान जलापूर्ति ग्राम पंचायत से की जावेगी ।		
		Documentary Details		
11.	M.O. Certificate (within 500 Meter details)/ Ekal Praman Patra.	Collector Office Letter (Ekal Praman Patra) No. 565 date 14/02/23.	Ok. 05 more mine Total Area – 12.60 ha.	
12.	Lease Sanction Order/ Agreement / LoI	Collector Office Letter (Ekal Praman Patra) No. 565 date 14/02/23.	Ok	
13.	Tehsildar Certificate	Collector Office Letter (Ekal Praman Patra) No. 565 date 14/02/23.	Ok	
14.	DFO NOC	Collector Office Letter (Ekal Praman Patra) No. 565 date 14/02/23.	Ok	
15.	Gram Sabha Tharav Prastav/ NOC (GP).	Letter No. dated 15/08/2021.	Ok	
16.	Production Quantity as per Approved Mining Plan	Stone – 45,230 Cubic Meter/Year,	Ok	
17.	Env. Consultant: Mr. Ram Raghav, M/s Green Circle, Inc. Vadodara (Gujrat) (U.P.) Valid up to 26/01/ 2024.			
18.	DSR	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला सिंगरौली (म.प्र.) के पत्र क0. 565 दिनांक 14/02/2023 द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त खदान नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट मे सम्मिलित कर ली जावेगी।		
19.	Tree Existed within area	Within the ML area, a total of 16 trees are present, comprising. Among these, 11 trees are situated within the barrier zone, and thus, will be preserved without any disturbance. However, the remaining 05 trees are situated within the workable area and will need to be uprooted & in compensation of which we'll plant 10 times i.e 50 trees additionally in 1st year.		
20.	Googal image point	कच्चा रोड़– खदान के दक्षिण पश्चिम दिशा में 42 एवं पश्चिम दिशा में लगभग 46 मीटर–09 मी का सेट बेक प्रस्तावित है। एक अन्य कच्चा रोड़ 104 मी. पर स्थित है। पश्चिम दिशा में एक झोपड़ी है परियोजना प्रस्तावक ने बताया की इसमे कोई भी निवास्रत नही है।		
21.	Public Hearing Points	**इस खदान की जनसुनवाई के दौरान वृक्षारोपण, रोजगार ,सड़क पर जल झिडकाव एवं धूल पत्थरों की समस्या इत्यादि, के प्रस्ताव प्राप्त**		

		हुये थे जिसे परियोजना प्रस्तावक मान्य करते हुये संबंधित बिन्दुओं को ई.एम.पी./सी.ई.आर. मे समुचित बजट को शामिल किया गया है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तो एवं स्टेण्डर्ड शर्तो संलग्नक–ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:–

1. अनुमोदित खनन् योजना अनुसार अधिकतम् उत्पादन क्षमता पत्थर–45,230 मी^{3} प्रति वर्ष।
2. परियोजना प्रस्तावक के अनुसार खदान क्षेत्र में क्रशर प्रस्तावित नही है । अतः खदान क्षेत्र में क्रशर स्थापित करने की अनुमति नही दी जा सकेगी।
3. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रू. 12.65 लाख एवं रिक्रिंग राशि रू. 02.45 लाख प्रति वर्ष ।
4. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रू. 01.00 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :–

सी.इ.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	**राशि (रु. में)**
अधोसंरचना विकास के लिए फुलवारी ग्रामपंचायत में भू प्रवेश के 3 माह के अंदर योगदान राशि प्रदान की जावेगी	1,00,000

5. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख–रखाव के साथ) कम से कम 3650 वृक्षों का वृक्षारोपण :–

क्रं.	**वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान**	**पौधों की प्रजातियॉ**	**मात्रा (संख्या में)**
1	बैरियर जोन में	स्थानीय पौधों की प्रजातियांजैसेः–नीम , खमेर , कालासिरिस, सिस्सू ,जंगल जलेबी, करंज, चिरोल , सफेदसिरिस, आदि	730
2	परिवहन मार्ग में (न्यूनतम ऊॅचाई 1.5 मीटर ट्री–गार्ड के साथ)	स्थानीय पौधों की प्रजातियांजैसेः–नीम, कदम्ब, खमेर, सिस्सू, पीपल, करंजआदि।	130
3	कन्या शिक्षा परिसर गडरिया में पौधारोपण	स्थानीय पौधों की प्रजातियांजैसेः–पुत्रंजीवा, मोलश्री सिस्सू, कदम्ब, बरगद, पीपल, कचनार, नीम, आदि	200
4	पास के गांव में पौधे का	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसेः–आमला,	2620

	वितरण	सीताफल, आम, अमरुद, अनार, कटहल , जामुन, हाइब्रिड मुनगा आदि।	
उपरोक्तानुसार वृक्षारोपण प्रथम वर्ष में किया जायें एवं 03 वर्ष तक उन पौधों का रख–रखाव / मृत पौधों का बदलाव खनन् अवधि तक किया जाये । गरलेण्ड ड्रेन तथा सेटलिंग टैंक के बंड पर स्थानीय बीज बोबाई कर उनका सरंक्षण किया जाना । परियोजना प्रस्तावक ग्रामीणों में पौधों का वितरण के समय गॉव का नाम, लाभांवित व्यक्ति का नाम एवं प्रजाति का विवरण देते हुए पर्यावरणीय स्वीकृति के पालन प्रतिवेदन में शामिल करेंगे ।			
		कुल	

अनुशंसा– प्रस्तुतीकरण एवं समीक्षा के आधार पर उपरोक्त विशिष्ट शर्तो के साथ परियोजना को पूर्व पर्यावरण स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा की जाती है।

9. <u>Case No 9836/2023 Smt. Kaushilya Singh, Lessee, Village-Phulwari, Post-Pondi Naugai, Tehsil-Singrauli, District-Singrauli (MP)-486886, Prior Environment Clearance for Phulwari Stone Quarry in an area of 1.870 ha. (35,625 Cum per annum) (Khasra No. 291, 293/1, 293/3, 294) Village-Phulwari, Tehsil-Singrauli, District-Singrauli (MP).</u>

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 291, 293/1, 293/3, 294) Village-Phulwari, Tehsil-Singrauli, District-Singrauli (MP) 1.870 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

<u>The project detail submitted by PP are as given below:</u>

SN	Projects Details		Remarks
1.	Proposal /Activity Name	Smt. Kaushilya Singh, Lessee, Village-Phulwari, Post-Pondi Naugai, Tehsil-Singrauli, District-Singrauli (MP)-486886, E-mail-kaushilyas859@gmail.com, Mobile-8878996910.	
2.	Location of Project	Prior Environment Clearance for Phulwari Stone Quarry in an area of 1.870 ha. (35,625 Cum per annum) (Khasra No. 291, 293/1, 293/3, 294) Village-Phulwari, Tehsil-Singrauli, District-Singrauli (MP) [422577].	
3.	EC Status (Fresh or Exp.)	Fresh	
4.	Lease Area (Govt./ Pvt.)	Khasra No. 291, 293/1, 293/3, 294, Govt. Land	
5.	Area in ha.	1.870 **Ha., Lease Period – As Per LOI**	
6.	Production Qty. in m3/year	**Stone-** 35,625 **Cum per annum.**	
7.	Project Cost	35 Lakhs.	

8.	ToR Status	ToR Recommended in 641nd SEAC Meeting dated 03/05/2023.	
9.	Date of Public Hearing	02/09/2023.	
Documentary Details			
10.	Lease Agreement/ LoI	Letter No.- 1184 dt. 24 /01/ 23.	(Pg –
11.	P-II form (Khasra Panchshala)	Ok Govt.	Pg –
12.	M.O. Certificate (within 500 mt. details)/ Ekal Praman Patra	MO Letter No.- **557** date **14/02/2023, No** - 04 Mine Total Area - 6,73 Ha. **(Page No. -1-2)**	
13.	Tehsildar Certificate	Ok Letter No.- 557 date 14/02/2023, आबादी आवेदित स्थल से 100 मी. से अधिक दूरी है। अन्य संस्थान 500 मी. से अधिक दूरी पर है।	
14.	DFO NOC	Ok Letter No.- 557 date 14/02/2023,	
15.	Gram Sabha / Gram Panchayat Tharav Prastav - OK Proposal No. 01 Dt.15/02/2021.		
16.	Production Quantity as per Approved Mining Plan	**Stone- 35,625 Cum per annum.**	
17.	Env. Cons.	श्री रामराघव, मेसर्स ग्रीन सर्कल आई.एन.सी., वडोदरा (गुजरात)	
18.	**DSR** : कार्यालय कलेक्टर, प्रभारी अधिकारी (खनि शाखा) जिला– सिंगरौली के पत्र क0. 557 दिनांक 14/02/2023 द्वारा अवगत कराया कि नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पूर्व यह उत्खनि पट्टा स्वीकृत नही था । तद्नुसार यह **वर्तमान अनुमोदित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में सम्मिलित नही है। आगामी जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में इसे सम्मिलित कर लिया जावेगा।** समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय स्तरीय पर्यावरण समाघॉत निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये।		
19.	Tree Existed within area	13 trees present within ML area PP submitted that 07 present in barrier zone and 6 lies in working area Which needs to be uprooted in the ML area to compensate this we will plant 10 times more trees.	
20.	Googal image point	• Kachcha road are existed in the North- west and South-east direction – PP submitted that these are not Kachcha road they are simply Pagdandi for which Patwari also has verified. • South east- Habitation 232 m • A hutment is existed within the lease area for which PP submitted that which is own by them them and shall be used as site office.	
21.	Public Hearing Points	**इस खदान की जनसुनवाई के दौरान वृक्षारोपण, रोजगार ,सड़क**	

		पर जल झिडकाव एवं धूल पत्थरों की समस्या इत्यादि, के प्रस्ताव प्राप्त हुये थे जिसे परियोजना प्रस्तावक मान्य करते हुये संबंधित बिन्दुओं को ई.एम.पी./सी.ई.आर. मे समुचित बजट को शामिल किया गया है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तो एवं स्टेण्डर्ड शर्तो संलग्नक–ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती हैः–

1. अनुमोदित खनन् योजना अनुसार अधिकतम् उत्पादन क्षमता पत्थर–45,230 मी^{3} प्रति वर्ष।
2. परियोजना प्रस्तावक के अनुसार खदान क्षेत्र में क्रशर प्रस्तावित नही है । अतः खदान क्षेत्र में क्रशर स्थापित करने की अनुमति नही दी जा सकेगी।
3. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रू. 10.13 लाख एवं रिक्रिंग राशि रू. 01.84 लाख प्रति वर्ष ।
4. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रू. 01.00 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01/02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :–

सी.इ.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	**राशि (रु. में)**
अधोसंरचना विकास के लिए फुलवारी ग्रामपंचायत में भूप्रवेश के 3 माह के अंदर योगदान राशि प्रदान की जावेगी	1,00,000

5. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख–रखाव के साथ) कम से कम 2400 वृक्षों का वृक्षारोपण :–

क्रं.	**वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान**	**पौधों की प्रजातियॉ**	**मात्रा (संख्या में)**
1	निजी भूमि के बैरियर जोन के अंतर्गत	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसेः– कालासिरिस, आमला, आम, अमरुद, अनार, कटहल, निम्बू, जामुन, हाइब्रिड मुनगा आदि।	200
2	स्रकारी भूमि के बैरियर जोन के अंतर्गत	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसेः– नीम, खमेर, कालासिरिस, सिस्सू , जंगल जलेबी, करंज, चिरोल , सफेद सिरिस, पीपल आदि	330
3	परिवहन मार्ग में (न्यूनतम ऊॅचाई 1.5 मीटर ट्री–गार्ड के साथ)	स्थानीय पौधों की प्रजातियांजैसेः–नीम, कदम्ब, खमेर, सिस्सू, पीपल, करंजआदि।	200

4	शासकीय उच्चमाध्यमिक विद्यालय परिसर गडरिया में पौधारोपण	स्थानीय पौधों की प्रजातियांजैसेः–पुत्रंजीवा, मोलश्रीसिस्सू, कदम्ब, बरगद, पीपल, कचनार, नीम, आदि	130
5	शिव मंदिर परिसर गडरिया मे पौधारोपण	स्थानीय पौधों की प्रजातियांजैसेः–पुत्रंजीवा, मोलश्रीसिस्सू, कदम्ब, बरगद, पीपल, कचनार, नीम, आदि	40
6	पास के गांवमेंपौधेकावितरण	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसेः–आमला, सीताफल, आम, अमरुद, अनार, कटहल, जामुन, हाइब्रिड मुनगा आदि।	1500
उपरोक्तानुसार वृक्षारोपण प्रथम वर्ष में किया जायें एवं 03 वर्ष तक उन पौधों का रख–रखाव / मृत पौधों का बदलाव खनन् अवधि तक किया जाये । गरलेण्ड ड्रेन तथा सेटलिंग टैंक के बंड पर स्थानीय बीज बोबाई कर उनका सरंक्षण किया जाना । परियोजना प्रस्तावक ग्रामीणों में पौधों का वितरण के समय गॉव का नाम, लाभांवित व्यक्ति का नाम एवं प्रजाति का विवरण देते हुए पर्यावरणीय स्वीकृति के पालन प्रतिवेदन में शामिल करेंगे ।			

अनुशंसा– प्रस्तुतीकरण एवं समीक्षा के आधार पर उपरोक्त विशिष्ट शर्तो के साथ परियोजना को पूर्व पर्यावरण स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा की जाती है।

10. Case No 7996/2020 M/s Banafar Granite Industries, Village - Prakash Bamhori, Tehsil - Gaurihar, Dist. Chhatarpur, MP - 471510, Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 2.439 ha. (20037 cum per annum) (Khasra No. 1347/2/1, 1357/1, 1345, 1349/1), Village - Prakash Bamhori, Tehsil - Gaurihar, Dist. Chhatarpur (MP). EIA.

प्रस्तावित खदान का ईआईए प्रस्तुतीकरण है, जिसमें आज दिनांक 22/11/23 को परियोजना प्रस्तावक अमर सिंह एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरीज इंनवायरोटेक इंडिया प्रा. लि. लखनऊ (ऑनलाईन) उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
श्रेणी (बी–1/बी–2)	बी–1 श्रेणी के अंतर्गत प्रकरण ईआईए प्रस्तुतीकरण का है ।	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी का नाम व पता	Ms Banafar Granite Industries, Village Prakash Bamhori Tehsil Gourihar District Chhatarpur (M.P.)	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	1347/2/1, 1357/1, 1345, 1349/1 (निजी–नॉन फॉरेस्ट लेंड, भू–स्वामी की सहमति परियोजना प्रस्तावक को प्राप्त है)	2.439 hectare.

696वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 22 नवम्बर 2023

स्थल	Village Prakash Bamhori Tehsil Gourihar Dist Chhatarpur (M.P.)
लीज स्वीकृति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला छतरपुर के पत्र क्रमांक 1598 दिनांक 27/08/20 के द्वारा स्वीकृत ।
ब्लास्टिंग/रॉक ब्रेकर	अनुमोदित खनन् योजना अनुसार ब्लास्टिंग प्रस्तावित है ।
टॉर	सेक की 473वीं बैठक दिनांक 07/01/2021 की बैठक में टॉर अनुशंसित किया गया जिसे सेक के पत्र क्रमांक 111 दिनांक 03/02/21 के द्वारा पत्थर–20,037 घनमीटर/वर्ष के लिए टॉर जारी किया गया है, जिसके अनुसार परियोजना प्रस्तावक द्वारा ईआईए रिपोर्ट समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई है ।
नया/क्षमता विस्तार	नया प्रोजेक्ट ।
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा पत्थर–20,037 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन् योजना अनुसार पत्थर–20,037 घनमीटर/वर्ष है।
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला छतरपुर के पत्र क्रमांक 3162 दिनांक 06/11/20 अनुसार 500 मीटर की परिधि में 12 अन्य खदानें संचालित/स्वीकृत है, इस प्रकार कुल रकबा 33.756 हे. होता है, अतः प्रकरण बी–1 श्रेणी का है।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय सामान्य वन मण्डल, छतरपुर के पत्र क्रमांक 1495 दिनांक 17/08/20 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य/ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय तहसीलदार, जुझारपुर तहसील गौरिहार जिला छतरपर के पत्र दिनांक 22/06/20 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/ सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/ संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/नदी/तालाब/ बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता/नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत प्रकाश बम्हौरी जिला छतरपुर के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक 03 दिनांक 04/07/20 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन् कार्य से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है ।
गूगल इमेज अनुसार वर्तमान स्थिति	खदान क्षेत्र का कुछ हिस्सा बहुत ही सकरॉ (narrow) है।
	दक्षिण दिशा– जल निकाय क्षेत्र–392 मी.
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.–107 के सरल क्रमांक–27 पर दर्ज है ।

जन सुनवाई	प्रस्तावित खदान की जन सुनवाई में रोजगार स्वास्थ्य की जांच एवं जल छिडकाव आदि आपत्तियॉ/सुझाव प्राप्त हुए, जिसे पर्यावरणीय प्रबंधन योजना / सी.एस.आर में बजट के साथ शामिल किया गया है ।

प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि खदान क्षेत्र का कुछ हिस्सा बहुत ही सकरॉ (narrow) है, इस संबंध में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि यह हिस्सा गैर खनन् क्षेत्र के रूप में संरक्षित किया जावेगा अतः खनन् योग्य क्षेत्र मात्र 1.18 हे. उपलब्ध होगा एवं खदान क्षेत्र के अंदर क्रेशर यूनिट प्रस्तावित नहीं हैं।

परियोजना प्रस्तावक ने प्रस्तुतीकरण के दौरान बताया कि खदान की 04 खसरों में से 01 खसरा 1357/1 खनन् हेतु प्रतिबंधित है परन्तु समिति ने परिक्षण के दौरान पाया कि क्षेत्रीय प्रमुख,खनिज विभाग के पत्र क्रमांक 2242 दिनांक 08/09/2020 के माध्यम से अनुमोदित खनन् योजना में इस खसरें का उल्लेख किया गया है अतएव प्रस्तुतीकरण के पश्चात् परियोजना प्रस्तावक से निम्न बिन्दुओं पर स्पष्टीकरण/जानकारी चाही गई हैः–

- सक्षम अधिकारी से एक खसरा क्रमांक 1357/1 जो खनन् हेतु प्रतिबंधित है के संबंध में स्पष्ट अभिमत प्रस्तुत किया जायें।
- परियोजना प्रस्तावक ने अवगत कराया था कि क्रेशर यूनिट जो की खदान क्षेत्र से 500 मी. की दूरी पर प्रस्तावित है अतः इस संबंध में PM2.5 एवं PM10 के संदर्भ में प्रयुक्त मॉडल में इनपुट वेल्यू (पैरामीटर्स) विचार किये गये थे, साथ ही इन वेल्यू का सोर्स क्या है तथा यह वेल्यू जिस भी ऐजेन्सी/संसथान द्वारा मॉनिटरिंग की गई थी उनके एवं पर्यावरणीय सलाहकार संस्था का अनुबंध पत्र भी प्रस्तुत किया जावें।

11. Case No 9837/2023 Smt. Kaushilya Singh, Lessee, Village-Phulwari, Post-Pondi Naugai, Tehsil-Singrauli, District-Singrauli (MP)-486886, Prior Environment Clearance for Phulwari Stone Quarry in an area of 1.650 ha. (39, 960 Cum per annum) (Khasra No. 262/1, 262/2, 263/1, 263/2, 266/1) Village-Phulwari, Tehsil-Singrauli, District-Singrauli. EIA

SN	Projects Details		Remarks
1.	Proposal /Activity Name	Smt. Kaushilya Singh, Lessee, Village-Phulwari, Post-Pondi Naugai, Tehsil-Singrauli, District-Singrauli (MP)-486886,	
2.	Location of Project	Prior Environment Clearance for Phulwari Stone Quarry in an area of 1.650 ha. (39, 960 Cum per annum) (Khasra No. 262/1, 262/2, 263/1, 263/2, 266/1) Village-Phulwari, Tehsil-Singrauli, District-Singrauli (MP). [422522]	
3.	EC Status (Fresh or Exp.)	Fresh	
4.	Lease Area (Govt./ Pvt.)	Khasra No. 262/1, 262/2, 263/1, 263/2, 266/1. Pvt. Land.	

5.	Area in ha.	1.650 **Ha.,** **Lease Period – As Per LOI**	
6.	Production Qty. in m3/year.	**Stone- 39960 Cum per annum.**	
7.	Project Cost	35 Lakhs.	
8.	ToR Status	ToR Recommended in 641nd SEAC Meeting dated 03/05/2023.	
9.	Date of Public Hearing	04/09/2023.	
10.	Range of ground water table (post monsoon) From To		
	Documentary Details		
11.	Lease Agreement/ LoI	Letter No.- 527 date 10/01/2023.	
12.	P-II form (Khasra Panchshala)	Ok Pvt. Land.	
13.	M.O. Certificate (within 500 mt. details)/ Ekal Praman Patra	MO Letter No.- 560 date 14/02/2023, No - 06 Mine Total Area - 14.57 Ha.	
14.	Tehsildar Certificate	Ok Letter No.- 560 date 14/02/2023, आबादी आवेदित स्थल से 100 मी. से अधिक दूरी है। अन्य संस्थान 500 मी. से अधिक दूरी पर है।	
15.	DFO NOC	Ok 560 date 14/02/2023,	
16.	Gram Sabha / Gram Panchayat Tharav Prastav - OK Proposal No. Dt. 07/03/2022.		
17.	Production Quantity as per Approved Mining Plan	**Stone - 39960 Cum per annum.**	
18.	Env. Cons.	श्री रामराघव, मेसर्स ग्रीन सर्कल आई.एन.सी., वडोदरा (गुजरात)	
19.	**DSR**: कार्यालय कलेक्टर, प्रभारी अधिकारी (खनि शाखा) जिला– सिंगरौली के पत्र क्र0. 560 दिनांक 14/02/2023 द्वारा अवगत कराया कि नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पूर्व यह उत्खनि पट्टा स्वीकृत नही था । तद्नुसार यह **वर्तमान अनुमोदित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में सम्मिलित नही है। आगामी जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में इसे सम्मिलित कर लिया जावेगा।** समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय स्तरीय पर्यावरण समाघॉत निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये।		
20.	गूगल इमेज अनुसार वृक्षों की वर्तमान स्थिति – परियोजना प्रस्तावक ने अवगत कराया कि खदान क्षेत्र में 10 पेड़ लगे है जिनमें से 07 पेड़ काटे जाने प्रस्तावित है। जिसके एवज में 70 अतिरिक्त पेड़ लगाये जावेगें।		
21.	गूगल इमेज अनुसार वर्तमान स्थिति उत्तर दिशा– हॉलेज रोड 10 मी. दक्षिण पूर्व दिशा कच्चा रोड– 110 मी. एवं कच्चे मकान– 83 मी. एवं पश्चिम दिशा में 82 मी.– परियोजना प्रस्तावक ने अवगत कराया कि तत्संबंध में निर्धारित मापदण्ड अनुसार सेटबेक प्रस्तावित किया है।		

परियोजना प्रस्तावक ने अवगत कराया था कि खनन् कार्य में ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं हैं तथा खदान क्षेत्र के अंदर क्रेशर यूनिट का प्रस्ताव भी नहीं है। प्रस्तुतीकरण के पश्चात् परियोजना प्रस्तावक से निम्न बिन्दुओं पर स्पष्टीकरण/जानकारी चाही गई हैः–

- PM2.5 एवं PM10 के संदर्भ में प्रयुक्त मॉडल में इनपुट वेल्यू (पैरामीटर्स) विचार किये गये थे, साथ ही इन वेल्यू का सोर्स क्या है तथा यह वेल्यू जिस भी ऐजेन्सी/संसथान द्वारा मॉनिटरिंग की गई थी उनके एवं पर्यावरणीय सलाहकार संस्था का अनुबंध पत्र भी प्रस्तुत किया जावें।

12. Case No 10661/2023 Shri Santosh Gupta, Suprintending Engineer (HFA), M/s Municipal Corporation Bhopal, District-Bhopal (MP)-462023, Prior Environment Clearance for Pradhan Mantri Awas Yojna (PMAY) Residential & Commercial – Bagmugaliya in an area of 4.226 ha. (43763.22 Sq.m.) (Khasra No. 382, 385, 386, 393, 395, 416, 419, 443, 445, 448/452, 450), Village-Bagmugaliya, Tehsil-Huzur, District-Bhopal (MP)- Violation- TOR .

This is case of Environment Clearance for Construction of Pradhan Mantri Awas Yojna (PMAY) Residential & Commercial – Bagmugaliya in an area of 4.226 ha. (43763.22 Sq.m.) (Khasra No. 382, 385, 386, 393, 395, 416, 419, 443, 445, 448/452, 450), Village-Bagmugaliya, Tehsil-Huzur, District-Bhopal (MP).
The case was presented by PP Shri Pradeep Jadia, Municipal Corporation Bhopal, and their Environmental Consultant Shri Rishi Chouhan Authoraized re-presentative from M/s. In-situ ENVIRO CARE, BHOPAL (M.P.) During presentation PP submitted Following information about the Project:-

SN	Information Required	Details
1.	**Project Name**	Shri Santosh Gupta, Suprintending Engineer (HFA), M/s Municipal Corporation Bhopal, District-Bhopal (MP)-462023, Prior Environment Clearance for Pradhan Mantri Awas Yojna (PMAY) Residential & Commercial – Bagmugaliya in an area of 4.226 ha. (43763.22 Sq.m.) (Khasra No. 382, 385, 386, 393, 395, 416, 419, 443, 445, 448/452, 450), Village-Bagmugaliya, Tehsil-Huzur, District-Bhopal (MP) [445916] **Total Plot Area - 2260.00 Sq.Mt., Total Built up Area - 43763.22 Sq.m.** ***Cat. 8(a)Building Construction Projects.***
2.	**Description of Project**	Pradhan Mantri Awas Yojna (PMAY) Residential & Commercial – Bagmugaliya by Municipal Corporation Bhopal
3.	**Construction details (Violation Status)**	PP inform vide Letter No, 596 dated 26/09/2023. 72% Physical Progress.
4.	**Proposed ToR**	Submitted. **ToR (Violation).**

5.	**Area details as per Form -1**	The project involves the construction of 288 Nos. LIG units, 144 Nos. MIG units, 144 Nos. EWS units, 12 No. Shops. The total maximum height of the project will be 30 Mts. **Total Built up Area – 43763.22 sq. m.**
6.	**Project Proposal**	New.
7.	**Project Cost**	78.69 Cr.
8.	**Land Allotment Order**	Dated 10 Jan. 2023.
9.	**Lat./Log. As per Form -1**	Coordinates 23°11'6.25"N, 77°28'17.12"E
10.	**Parking Area.**	600 ECS
11.	**Water NOC**	PP Apply Letter No. 297 dated 01/09/2022.
12.	**MSW NOC**	Letter No. 214 dated 16/09/2023.
13.	**Fire NOC**	6100003080/FNOC/COL/2022/1805 dated 08/01/2022.
14.	**Water Requrement**	• 405 KLD
15.	**Solid Waste Generation**	• 211 TPD
16.	**DG set details**	225 KVA (3 X 75 KVA).
17.	**Registry Copy**	Dated 18/11/2022.
18.	**Env. Consultant**	SHRI AJAY MOHAN , IN SITU ENVIRO CARE , BHOPAL (M.P.).

After deliberation, Committee considering the recent GoI, MoEF & CC, OM F. No. 22-21/2020-IA.III dated 07.07.2021 & Notification S. O. 1030 (E), dated 8th March, 2018 recommends that case may be dealt as per the provisions laid down in this notification and the project may granted Terms of Reference for undertaking Environment Impact Assessment and preparation of Environment Management Plan on assessment of ecological damage, remediation plan and natural and community resource augmentation plan and it shall be prepared as a independent chapter in the EIA report by the accredited consultant and the collection and analysis of data for assessment of ecological damage, preparation of remediation plan and natural and community resource augmentation plan shall be done by an environmental laboratory accredited by the National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories. Hence committee recommended to issue additional TOR as per OM F. No. 22-21/2020-IA.III dated 07.07.2021 & Notification S. O. 1030 (E), dated 8th March, 2018 along with standard TOR prescribed by the MoEF&CC for conducting the EIA along with following additional TOR's and as per Annexure-D:-

1. Present status of construction so far in terms of percentage of total built- up area.

2. Submit from distance from Bhojwood land and Van Vihar NP shall be submitted with EIA report.
3. Please clarify about the roads existed within the project area shall be submitted with EIA report.
4. All mandatory NOCs including T&CPO approvals etc. shall be submitted with EIA report.
5. Project description, its importance and the benefits shall be submitted with EIA report.
6. Project site detail (location, toposheet of the study area of 10 Km, coordinates, google map, layout map, land use, geological features and geo-hydrological status of the study area, drainage.
7. Land use as per the approved Master Plan of the area, permission/approvals required from the land owning agencies, Development Authorities, Local Body, Water Supply & Sewerage Board etc.
8. Land acquisition status, R & R details (if any).
9. Baseline environmental study for ambient air (PM10, PN2.5, SO2, NOx & CO), water (both surface and ground), noise and soil for one season (except monsoon period) as per MoEF & CC/CPCB guidelines at minimum 5-6 locations in the study area of 10 Km.
10. Status report of constriction with details regarding its operational status and possession given so far in the staff quartes etc.
11. PP shall provide the details wrt no of trees felled during construction, permission obtained for tree falling and extensive tree plantation scheme.
12. If any diversion of natural drain was carried-out during the construction of the project, the details of the same shall be submitted with EIA report.
13. Status of CTE from the MP Pollution Control Board shall be submitted with EIA report.
14. Status of ground water level at the beguning of construction and present shall be studied and discussed in the EIA report.
15. Provision of additional exit gate in the proposed project at the time of emergency shall be provided and details shall be provided with EIA report.
16. Copy of Fire NOC obtained from the concerned department and submitted with EIA.
17. Energy efficient measures (LED lights, solar power, etc) during construction as well as during operational phase of the project. Under energy conservation plan detail proposals for solar panels, battery operated carts for patients, solar heating systems shall be studied and submitted with EIA report.

18. Forest and Wildlife and eco-sensitive zones, if any in the study area of 10 Km Clearances required under the Forest (Conservation) Act, 1980, the Wildlife (Protection Act, 1972 and/or the Environment (Protection) Act, 1986.
19. Details on flora and fauna and socio-economic aspects in the study area.
20. Likely impact of the project on the environmental parameters (ambient air, surface and ground water, land, flora and fauna and socio-economic, etc.)
21. Sources of water for different identified purpose with the permissions required from the concerned authorities, both for surface water and the ground water (by CGWA) as the case may be, Rain water harvesting, etc.
22. Waste water management (treatment, reuse and disposal) for the project and also the study area
23. Management of solid wastes and the construction & demolition waste for the project wrt to the Solid Waste Management Rules, 2016 and the Construction & Demolition Waste Rules, 2016 alongwith Bio Medical Waste Management Rules, 2016 with copy of aggrement with facility provider shall be discussed in EIA report.
24. **Carbon emission foot print analysis shall be studied and discussed in EIA report with details of CO_2 emission & quantification from different sources as DG sets and their management plan w.r.t. carbon foot print.**
25. **PP's commitment that the BOD level shall be maintained upto 3.0 mg/l in the proposed STP, proposal for filter press.**
26. **Looking to the use of e-vehicles appropriate battery charging points per towers shall be provided.**
27. **Proposed contribution of solar light shall be 30 % of total power consumption.**
28. **Provision of Roof top greening, roof top solar panel and electric charging points.**
29. **For indoor air quality the ventilation provisions shall be made in few rooms as per National Building Code of India.**
30. **Proposed Green area shall be 33% with plantation scheme & species as suggested by the committee.**
31. **Provision of Public Facilities (Toilets for men & women separately) in appropriate numbers to the house hold workerts and visitors.**
32. **Assessment of ecological damage with respect to air, water, land and other environmental attributes. The collection and analysis of data shall be done by an environmental laboratory duly notified under the Environmental (Protection) Act, 1986, or an environmental laboratory accredited by NABL, or a laboratory of a Council of Scientific and Industrial Research (CSIR) institution working in the field of environment.**

33. **Preparation of EMP comprising remediation plan and natural community resource augmentation plan corresponding to the ecological damage assessed and economic benefits derived due to violation.**
34. **The remediation plan and the natural and community resource augmentation plan to be prepared as an independent chapter in the EIA report by the accredited consultant.**

13. Case No 10668/2023 Shri Vinod Kumar Agrawal, Proprietor, M/S VINOD KUMAR AGRAWAL, 7/26, civil lines Tilak ward, Mandla (M.P.) Prior Environment Clearance for Kakaiya Dolomite Mine in an area of 6.81 ha. (Dolomite-17000, Mine Waste-6937 TPA) (Khasra No. Old Khasara no. 1472/2,1472/3,1472/4,1473/1,1473/2,1474 & 1475, New Khasra No. 415, 394, 395, 396, 397, 414, 398), Village-Kakaiya, Tehsil-Bichhiya, District-Mandla (MP)-TOR

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 22/11/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री विनोद कुमार अग्रवाल एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री उमेश मिश्रा, मेसर्स क्रिएटिव इंवायो सर्विसेस, भोपाल (म.प्र.) उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी का नाम व पता	Shri Vinod Kumar Agrawal, Proprietor, M/S VINOD KUMAR AGRAWAL, 7/26, civil lines Tilak ward, Mandla (M.P.)	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	1472/2, 1472/3, 1472/4, 1473/1, 1473/2, 1474 & 1475, New Khasra No. 415, 394, 395, 396, 397, 414, 398 (निजी–नॉन फॉरेस्ट लेंड खसरा नं. 398 के अलावा सभी के भू–स्वामी परियोजना प्रस्तावक स्वयं है)	6.81 hectare.
स्थल	Village- Kakaiya, Tehsil - Bichhiya, District – Mandala (M.P.)	
लीज स्वीकृति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के पत्र क्रमांक 1661 दिनांक 01/02/16 के द्वारा स्वीकृत ।	
श्रेणी (बी–1/बी–2)	बी–1	
ब्लास्टिंग/रॉक ब्रेकर	अनुमोदित खनन् योजना अनुसार ब्लास्टिंग प्रस्तावित है ।	
नया/क्षमता विस्तार	यह प्रकरण क्षमता विस्तार का है।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा डोलोमाइट–17,000 टीपीए से 1,21,282 टीपीए एवं माइन वेस्ट–6,937 टीपीए हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन् योजना अनुसार डोलोमाइट–1,21,282 टीपीए एवं माइन वेस्ट–6,937 टीपीए है।	

500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 1295 दिनांक 03/08/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में 04 अन्य खदानें संचालित/स्वीकृत है, इस प्रकार कुल रकबा 29.90 हे. होता है, अतः प्रकरण बी–1 श्रेणी का है।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 1295 दिनांक 03/08/23 अनुसार वन मण्डलाधिकारी पश्चिम (सा.) वन मण्डला म.प्र. के पत्र क्रमांक मा.चि./3821 दिनांक 19/10/15 अनुसार आवेदित क्षेत्र से वन क्षेत्र की दूरी 2.00 मीटर है । पट्टेदार को उत्खनिपट्टा दिनांक 14/08/02 से स्वीकृत है । म.प्र. शासन, वन विभाग मंत्रालय, भोपाल के पत्र क्रमांक एफ–5/16/81/10–3 दिनांक 07/10/02 की कण्डिका–2(छ) अनुसार वर्ष 2002 से पूर्व स्वीकृत उत्खनिपट्टा में 250 मीटर की दूरी में स्थित खनि रियायत के संबंध में गठित समिति संबंधी आदेश लागू नहीं होंगे।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 1295 दिनांक 03/08/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/ सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/ संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/नदी/तालाब/बांध/ स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता/नाला नहीं है।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत ककैया जिला मण्डला के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक–17 दिनांक 29/08/12 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन् कार्य से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है ।
वृक्षों की वर्तमान स्थिति	खदान क्षेत्र के पूर्व दिशा में कुछ पेड़ है।
गूगल इमेज अनुसार वर्तमान स्थिति	दक्षिण दिशा– आबादी–337 मी. एवं दक्षिण पूर्व दिशा –410 मी.
	पूर्व दिशा– पक्का रोड़ 157 मी. प्लांट 204 मी.
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.–32 के सरल क्रमांक–16 पर दर्ज है ।

उपरोक्त विवरण के परिप्रेक्ष्य में समिति इस प्रकरण में ई.आई.ए. तैयार करने हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी स्टेण्डर्ड टॉर, एनेक्जर–डी में उल्लेखित मानक शर्तो व विशिष्ट शर्तो के साथ टॉर जारी करने की समिति अनुशंसा करती हैः–

1. खदान पूर्व मे संचालित रही है, अतः पूर्व पर्यावर्णीय स्वीकृति की शर्तो का पालन प्रतिवेदन ई.आई. ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
2. प्रश्नाधीन खदान के 500 मी. की परिधि में स्थित संवेदनशील घटकों की ड्रोन विडियोग्राफी (प्रतिबंधित क्षेत्र को छोड़कर) ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
3. म.प्र. भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 247 (5) के तहत संबंधित जिला कलेक्टर द्वारा भूमि स्वामियों की क्षतिपूर्ति के निर्धारण हेतु किये गये प्रावधानों/उपबंधों का पालन भूमि स्वामियो को समक्ष में सुनकर भूमि के सतह अधिकार के संबंध में क्षतिपूर्ति का निर्धारण सुनिश्चित किया जाये।
4. म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 9 (क) एवं नियम,06(क) के प्रावधान अंतर्गत कण्डिका 04 में किये गये प्रावधानों के अनुरूप सहमति धारक को उत्खनन पट्टा स्वीकृत होने पर, देय रॉयल्टी के 15 प्रतिशत के समतुल्य रकम का सहमति धारक को भुगतान सुनिश्चित किया जाये। उपरोक्त शर्तो का पालन भू–प्रवेश अनुमति के पूर्व सुनिश्चित किया जावें।
5. प्रश्नाधीन खदान के पूर्व दिशा में कुछ पेड़ लगे दिख रहे है, अतः उसकी प्रजाति, ऊचाई एवं गर्थ फोटोग्राफ सहित ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये।
6. आवंटित खनन् क्षेत्र का उत्तरी भाग खुदा हुआ है अतः इसका संपूर्ण विवरण ई.आई.ए. रिपोर्ट में प्रमाणिकृत दस्तावेजो (खनिज अधिकारी का प्रतिवेदन) के साथ प्रस्तुत किया जाये।
7. ई.आई.ए. अध्ययन के दौरान क्षेत्र में 04 से 05 स्थानों (जिसमें से एक स्थान आवंटित खनन् क्षेत्र के बैरियर जोन में हो) पर 01 मीटर X 01 मीटर X 01 मीटर का ट्राईल पिट खोद कर उसके स्वाईल प्रोफाइल का अध्ययन कर वृक्षारोपण का स्थान, प्रजाति एवं रोपण योजना का विवरण ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
8. यदि भू–जल का प्रतिछेदन प्रस्तावित हो तो लीज एरिया का हाइड्रो जियोलॉजीकल अध्ययन कर ई. आई.ए. रिपोर्ट में उल्लेख करें ।
9. रेनवॉटर हार्वेस्टिंग तथा रिवर रिजुविनेशन हेतु किसी विशेषज्ञ द्वारा एक्यूफर, परकोलेशन टेंक, रिर्चाज शॉफ्ट एवं सब सरफेस डायक का अध्ययन कर प्रतिवेदन ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
10. चूँकि आंवटित स्थल पहाड़ पर स्थित है, अतः खनिज परिवहन मार्ग तथा सरफेस रनऑफ मैनेजमेंट प्लांन ई,आई.ए. के साथ प्रस्तुत करें ।
11. ओव्हर बर्डन एवं टॉपस्वाइल मैनेजमेंट प्लॉन, ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये ।
12. भूमि का वर्तमान लैंड यूज क्या है, के संबंध में सक्षम प्राधिकारी का प्रतिवेदन तथा ऑल्टरनेट ग्रेजिंग लैण्ड मैनेजमेंट योजना ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।

14. Shri Narender Goyal, Owner, M/s Chemicgreen Chemicals, 156, Ravi Nagar, Behind GDA Office, District-Gwalior (MP)-474009, Prior Environment Clearance for Proposed Synthetic Organic Chemical Production in an area of 0.80 ha. (3000 TPA) (Khasra No. Plot No. 19,20 GAA Industrial Area, Malanpur), Village-Tilori, Tehsil-Gohad, District-Bhind (MP). Cat 5 (f) Synthetic Organic Chemicals Project.TOR.

696वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 22 नवम्बर 2023

This is case of Prior Environment Clearance for Proposed Synthetic Organic Chemical Production in an area of 0.80 ha. (3000 TPA) (Khasra No. Plot No. 19,20 GAA Industrial Area, Malanpur), Village-Tilori, Tehsil-Gohad, District-Bhind (MP). Category 5 (f). .

The case was presented by PP **Shri Mohit Chouhan, G.M. Authoraized Re-prasentative** and their environmental consultant Mr. Umesh Mishra, M/s CSE, Bhopal. During presentation, PP submitted following salient features of the project:

1.	Proposal /Activity Name	**Shri Narender Goyal, Owner, M/s Chemicgreen Chemicals, 156, Ravi Nagar, Behind GDA Office, District-Gwalior (MP)-474009,**
2.	Location of Project	Prior Environment Clearance for Proposed Synthetic Organic Chemical Production in an area of 0.80 ha. (3000 TPA) (Khasra No. Plot No. 19,20 GAA Industrial Area, Malanpur), Village-Tilori, Tehsil-Gohad, District-Bhind (MP) [444273]. **Cat 5 (f) Synthetic Organic Chemicals Project.**
3.	Description of Project	M/s Chemicgreen chemicals proposes to set up a new project to produce synthetic organic chemical namely Azodicarbonamide -ADC, Dinitrosopentamethelene Tetramine (DNPT) at Plot No. 19/20Industrial Area, Malanpur, Dist-Bhind (MP) with production capacity of 3000 TPA. The proposed activity is permitted as per main object clause of Memorandum of Association of the company. These products are manufactured in campaigns through multi-step organic synthesis using batch processes. The product portfolio is a mix of high volume, low value and low volume, high value products. The site has modern state-of–the-art plants facilitating minimal manual intervention and consistent reproduction of processes, on an ongoing basis, and these are built to GMP standards. The cost of proposed is Rs. 4.12 Crores
4.	Project Cost	412 Lakh.
5.	Total Plot Area	8000 M^2
6.	ToR Status	Proposed.
7.	Activity Location	Plot No. 19,20 GAA Industrial Area, Malanpur), Village-Tilori, Tehsil-Gohad, District-Bhind (MP)
8.	Production Capacity	Azodicarbonamide - ADC, Dinitrosopentamethelene Tetramine (DNPT) - 3000 TPA.
9.	No Construction Activity Start/ Litigation Status	No Construction start at site. No litigation Pending.
10.	Co-ordinate	1. 26°20'46.79"N - 78°16'14.72"E 2. 26°20'45.46"N - 78°16'17.99"E 3. 26°20'43.12"N- 78°16'16.93"E 4. 26°20'44.46"N- 78°16'13.54"E
Documentary Details		
11	Land details	Deed Agreement Registerd date 22/06/2023.

12.	Membership in TSDF -	-	
13.	D.G. Set details	DG Set - 65 KVA.	
14.	Env. Con.	Shri Umesh Mishra, M/s Creative Enviro Services, Bhopal(M.P.)	
15.	Water NoC	MIDC Gwalior letter No. 08/09/2023.	
16.	PFR	Ok	

After presentation, committee decided to recommend standard TOR prescribed by MoEF&CC with following additional TOR and as per Annexure-D:

1. PP should provide entire product mix and water balance in the EIA report.
2. Furnish details of CO2 emission & quantification from different sources as DG sets and their management plan w.r.t. carbon foot print shall be studied and discussed in EIA report.
3. PP's commitment that the BOD level shall be maintained upto 3.0 mg/l in the proposed STP, proposal for filter press.
4. Worst case scenario w.r.t. waste water and hazardous waste should be submitted.
5. Risk assessment of the complete process project.
6. Proposed Green area shall be 33% with plantation scheme & species as suggested by the committee.
7. Proposerd contribution of solar light shall be 30 % of total power consumption.
8. Details of solvents and their recovery plan should be discussed in the EIA report.
9. VOC should be monitored in the AAQ.
10. All MSDS should be provided with the EIA report.
11. Industry has to comply with zero discharge for which necessary details should be provided in the EIA report.
12. Land use plans of the plant both existing land use as well as proposed land use and PP should assure that no existing green area shall be altered for which a written commitment be submitted with the EIA report.
13. Details of any waste at present lying within the plant premises and if yes, same should be discussed in the EIA report with its disposal plan.
14. Inventory of existing and proposed machinery and if any existing machinery proposed to be used same shall be presented in the EIA report.
15. PP should explore possibility of using Clean fuel based technology in boilers.
16. The EIA report should clearly mention activity wise EMP and CSR cost details and should depict clear breakup of the capital and recurring costs along with the timeline for incurring the capital cost. The basis of allocation of EMP and CSR cost should be detailed in the EIA report to enable the comparison of compliance with the commitment by the monitoring agencies.

17. A time bound action plan should be provided in the EIA report for fulfillment of the EMP commitments mentioned in the EIA report.
18. EIA report should be strictly as per the TOR, comply with the generic structure as detailed out in the EIA notification, 2006, baseline data is accurate and concerns raised during the public hearing are adequately addressed.

15. Case No 10667/2023 Shri Mahendra Solanki S/o Manohar Singh Solanki, Owner, 28, Gram-Bamankhedi, Tehsil-Jaora, Post-Husen Tekri, District-Ratlam (UP)-457226, Prior Environment Clearance for Sindurkiya Crusher Stone & M-sand Quarry in an area of 3.00 ha. (39000 cum per year) (Khasra No. 355), Village-Sindurkya, Tehsil-Jaora, District-Ratlam (MP)- TOR.

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 22/11/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री महेन्द्र सोलंकी एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री कृष्ण चंद्र पाण्डा, मेसर्स ओशियो इंवायरो मैनेजमेंट सॉल्यूशन्स (इं.) प्रा.लि., गाजियाबाद, उ.प्र. और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी का नाम व पता	Shri MAHENDRA SOLANKI, Owner, S/O MANOHAR SINGH SOLANKI 28, GRAM, BAMANKHEDI, TEHSIL JAORA, POST HUSEN TEKRI, BAMANKHEDI JAORA DISTRICT RATLAM (MP) Pin- 457226	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	355 (सरकारी –नॉन फॉरेस्ट लेंड)	03.00 hectare.
स्थल	Village Sindurkiya, Tehsil- Jawra & District Ratlam (M.P.)	
लीज स्वीकृति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला रतलाम के पत्र क्रमांक 1141 दिनांक 12/06/23 के द्वारा स्वीकृत ।	
श्रेणी (बी–1/बी–2)	बी–1	
ब्लास्टिंग/रॉक ब्रेकर	अनुमोदित खनन् योजना अनुसार ब्लास्टिंग प्रस्तावित है ।	
नया/क्षमता विस्तार	नया प्रोजेक्ट ।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा अधिकतम् उत्पादन क्षमता पत्थर एण्ड एम सेंड–39,000 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन् योजना अनुसार 39,000 (पत्थर–19,500 घनमीटर/वर्ष एवं एम सेंड–19500 घनमीटर/वर्ष) है।	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला रतलाम के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 2255 दिनांक 11/09/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में 03 अन्य खदानें संचालित/स्वीकृत है, इस प्रकार कुल रकबा 10.00 हे. होता है, अतः प्रकरण बी–1 श्रेणी का है।	

वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला रतलाम के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 2255 दिनांक 11/09/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य/ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला रतलाम के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 2255 दिनांक 11/09/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/ संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/नदी/ तालाब/ बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता/नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत सिंदूरकिया जिला रतलाम के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक–5 दिनांक 14/04/23 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन् कार्य से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है ।
वृक्षों की वर्तमान स्थिति	खदान क्षेत्र में कुछ पेड़ लगे है।
गूगल इमेज अनुसार वर्तमान स्थिति	उत्तर पूर्व दिशा– पक्की रोड़– 106 मी. एवं उत्तर पश्चिम दिशा– पक्की रोड़– 290 मी.
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला रतलाम के पत्र क्रमांक 2343 दिनांक 21/09/23 अनुसार अग्रिम जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में उक्त उत्खनिपट्टा को सम्मिलित कर जावेगी । समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय स्तरीय पर्यावरण समाघॉत निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये ।

उपरोक्त विवरण के परिप्रेक्ष्य में समिति इस प्रकरण में ई.आई.ए. तैयार करने हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी स्टेण्डर्ड टॉर, एनेक्जर–डी में उल्लेखित मानक शर्तो व विशिष्ट शर्तो के साथ टॉर जारी करने की समिति अनुशंसा करती हैः–

1. प्रश्नाधीन खदान में कुछ पेड़ लगे दिख रहे है, अतः उसकी प्रजाति, ऊचाई एवं गर्थ फोटोग्राफ सहित ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये।
2. प्रश्नाधीन खदान के उत्तर पूर्व दिशा– पक्की रोड़– 106 मी. एवं उत्तर पश्चिम दिशा– पक्की रोड़– 290 मी. स्थित है। अतः इनकी संरक्षण योजना ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये।
3. प्रश्नाधीन खदान के 500 मी. की परिधि में स्थित संवेदनशील घटकों की ड्रोन विडियोग्राफी (प्रतिबंधित क्षेत्र को छोड़कर) ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।

4. खदान मे पर्यावर्णीय स्वीकृति की शर्तो का कोई पालन परिलक्षित नही दिख रहा है, अतः भविष्य मे कैसे सुनिश्चित करेंगे कि 01–02 वर्ष मे पर्यावर्णीय स्वीकृति की शर्तो का पालन करेंगे।
5. एम.सेड प्लॉट हेतु प्रस्तावित स्लरी मेंनेजमेंट प्लॉन का विवरण ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये।
6. आवंटित खनन् क्षेत्र का मध्य भाग खुदा हुआ है। अतः इसका संपूर्ण विवरण ई.आई.ए. रिपोर्ट में प्रमाणिकृत दस्तावेजो (खनिज अधिकारी का प्रतिवेदन) के साथ प्रस्तुत किया जाये।
7. ई.आई.ए. अध्ययन के दौरान क्षेत्र में 04 से 05 स्थानों (जिसमें से एक स्थान आवंटित खनन् क्षेत्र के बैरियर जोन में हो) पर 01 मीटर X 01 मीटर X 01 मीटर का ट्राईल पिट खोद कर उसके स्वाईल प्रोफाइल का अध्ययन कर वृक्षारोपण का स्थान, प्रजाति एवं रोपण योजना का विवरण ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
8. यदि भू–जल का प्रतिछेदन प्रस्तावित हो तो लीज एरिया का हाइड्रो जियोलॉजीकल अध्ययन कर ई. आई.ए. रिपोर्ट में उल्लेख करें ।
9. रेनवॉटर हार्वेस्टिंग तथा रिवर रिजुविनेशन हेतु किसी विशेषज्ञ द्वारा एक्यूफर, परकोलेशन टेंक, रिर्चाज शॉफ्ट एवं सब सरफेस डायक का अध्ययन कर प्रतिवेदन ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
10. चूँकि आंवटित स्थल पहाड़ पर स्थित है, अतः खनिज परिवहन मार्ग तथा सरफेस रनऑफ मैनेजमेंट प्लांन ई,आई.ए. के साथ प्रस्तुत करें ।
11. ओव्हर बर्डन एवं टॉपस्वाइल मैनेजमेंट प्लॉन, ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये ।
12. भूमि का वर्तमान लैंड यूज क्या है, के संबंध में सक्षम प्राधिकारी का प्रतिवेदन तथा ऑल्टरनेट ग्रेजिंग लैण्ड मैनेजमेंट योजना ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।

16. Case No 10663/2023 Shri Shah Monik Mahesh, Director, M/s Eshyasi Pharma Limited, Plot no. 19 & 20, Industrial Area, Meghnagar District-Jhabua (MP)-457779 Prior Environment Clearance for Proposed Project for Manufacturing of Active Pharmaceutical Ingredients and Intermediates in an area of 0.36 ha. (252 TPA) (Khasra No. Plot 19 & 20), Village-Meghnagar, Tehsil-Meghnagar, District-Jhabua (MP)-TOR.

This is case of Prior Environment Clearance for Proposed Project for Manufacturing of Active Pharmaceutical Ingredients and Intermediates in an area of 0.36 ha. (252 TPA) (Khasra No. Plot 19 & 20), Village-Meghnagar, Tehsil-Meghnagar, District-Jhabua (MP (MP). Category 5 (f). .

The case was presented by PP **Shri** Shah Monik Mahesh, Director, M/s Eshyasi Pharma Limited and their environmental consultant Mr. Shri Naman Patel,, M/s Envisolve LLP, Indore(M.P.).. During presentation, PP submitted that:

SN	Projects Details	
1.	Proposal /Activity Name	Shri Shah Monik Mahesh, Director, M/s Eshyasi Pharma Limited, Plot no. 19 & 20, Industrial Area, Meghnagar District-Jhabua (MP)-457779, E-mail-info@eshyasi.com, Mobile-9978904976

2.	Location of Project	Prior Environment Clearance for Proposed Project for Manufacturing of Active Pharmaceutical Ingredients and Intermediates in an area of 0.36 ha. (252 TPA) (Khasra No. Plot 19 & 20), Village-Meghnagar, Tehsil-Meghnagar, District-Jhabua (MP) [447237]. **Cat 5 (f) Synthetic Organic Chemicals Project.**
3.	Description of Project	This is a proposed project for Manufacturing of Active Pharmaceuticals Ingredients and Intermediates.
4.	Project Cost	350 Lakh.
5.	Total Plot Area	600 m2
6.	ToR Status	Proposed.
7.	Activity Location	Plot 19 & 20, Village-Meghnagar, Tehsil-Meghnagar, District-Jhabua (M.P.).
8.	Production Capacity	As per information upload Parivesh Portal.
9.	No Construction Activity Start/ Litigation Status	No Construction start at site. No litigation Pending.
10.	LOI	MIDC Bhopal letter Dated : 23/06/2023.
11.	Co-ordinate	As per Parivesh portal uploaded information.
Documentary Details		
12.	CEPI	PP Apply letter dated 03/10/2023.
13.	Inter State Boundary details	PP Apply letter dated 03/10/2023.
14.	Membership in TSDF -	-
15.	D.G. Set details	25 KVA (proposed).
16.	Water requirement	5 KLD.
17.	Env. Con.	Shri Shubham Dubey, Envisolve LLP, Indore(M.P.).
18.	Google image status – Green field project	

After presentation, committee decided to recommend standard TOR prescribed by MoEF&CC with following additional TOR and as per Annexure-D:

1. PP should provide entire product mix and water balance in the EIA report.
2. Furnish details of CO_2 emission & quantification from different sources as DG sets and their management plan w.r.t. carbon foot print shall be studied and discussed in EIA report.
3. PP's commitment that the BOD level shall be maintained upto 3.0 mg/l in the proposed STP, proposal for filter press.
4. PP should provide contents of exhaust material in the EIA report.
5. Worst case scenario w.r.t. waste water and hazardous waste should be submitted.

6. Risk assessment of the complete process project.
7. Proposed Green area shall be 33% with plantation scheme & species as suggested by the committee.
8. Proposerd contribution of solar light shall be 30 % of total power consumption.
9. Details of solvents and their recovery plan should be discussed in the EIA report.
10. VOC should be monitored in the AAQ.
11. All MSDS should be provided with the EIA report.
12. Industry has to comply with zero discharge for which necessary details should be provided in the EIA report.
13. Land use plans of the plant both existing land use as well as proposed land use and PP should assure that no existing green area shall be altered for which a written commitment be submitted with the EIA report.
14. Details of any waste at present lying within the plant premises and if yes, same should be discussed in the EIA report with its disposal plan.
15. Inventory of existing and proposed machinery and if any existing machinery proposed to be used same shall be presented in the EIA report.
16. PP should explore possibility of using Clean fuel based technology in boilers.
17. The EIA report should clearly mention activity wise EMP and CSR cost details and should depict clear breakup of the capital and recurring costs along with the timeline for incurring the capital cost. The basis of allocation of EMP and CSR cost should be detailed in the EIA report to enable the comparison of compliance with the commitment by the monitoring agencies.
18. A time bound action plan should be provided in the EIA report for fulfillment of the EMP commitments mentioned in the EIA report.
19. EIA report should be strictly as per the TOR, comply with the generic structure as detailed out in the EIA notification, 2006, baseline data is accurate and concerns raised during the public hearing are adequately addressed.

अध्यक्ष महोदय, की अनुमति से चर्चा के अन्य बिन्दु –

1. Re-appraisal of the cases in case of EC issued by the DEIAA:

In the matter of the re-appraisal of the EC issued by the DEIAA, the PP requested to consider the information in Form 1 part (A), as given in the present mining plan but the committee suggested for providing information in Form 1 part (A) as it was presented during the DEIAA appraisal for grant of the EC. It is propose to take suitable decision by the SEIAA in this regard.

2. रेत खनन् के प्रकरणो में ईसी की पूर्व एवं वर्तमान शर्तो के क्रियन्वयन एवं पालन पर अतिरिक्त एजेण्डा के रूप में

समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि ऐसे रेत खनन् प्रकरणों में जिनमें राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) द्वारा पर्यावरण स्वीकृति अनुशंसित की गई है, उन सभी प्रकरणों में निम्नानुसार विशिष्ट शर्त अधिरोपित की जायेः–

- **विगत वर्षो में जारी पूर्व पर्यावरण स्वीकृति में एवं वर्तमान में जारी पर्यावरण स्वीकृति में उल्लेखित समस्त शर्तो का पालन मध्यप्रदेश स्टेट माईनिंग कॉर्पोरेशन द्वारा सुनिश्चित किया जावेगा।**
- **पूर्व एवं वर्तमान ई.सी. शर्तो का पालन प्रतिवेदन निर्धारित समयावधि में एम.ओ.ई.एफ. एण्ड सी.सी. तथा एम.पी. सिया, के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।**

(सदस्य सचिव) **(डॉ. पी.सी. दुबे)**
अध्यक्ष

Following standard conditions shall be applicable for the mining projects of minor mineral in addition to the specific conditions and cases appraised for grant of TOR:

Annexure- 'A'

Standard conditions applicable to Stone/Murrum and Soil quarries:

1. Mining should be carried out as per the submitted land use plan and approved mine plan. The regulations of danger zone (500 meters) prescribed by Directorate General of Mines safety shall also be complied compulsorily and necessary measures should be taken to minimize the impact on environment.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and fenced from all around the site. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded along with annual record of water consumed in sprinkling during Summer (February to May/June) and winter session (October to January) separately.
4. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
5. Mineral evacuation road shall be made pucca (WBM/black top) by PP.
6. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
7. Crusher with inbuilt APCD & water sprinkling system shall be installed minimum 100 meters away from the road and 500 meters away from the habitations only after the permissions of MP Pollution Control Board with atleast 04 meters high wind breaking wall of suitable material to avoid fugitive emissions.
8. Working height of the loading machines shall be compatible with bench configuration.
9. Slurry Mixed Explosive (SME) shall be used instead of solid cartridge.
10. The OB shall be reutilized for maintenance of road. PP shall bound to compliance the final closure plan as approved by the IBM.
11. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
12. Six monthly occupational health surveys of workers for Cardio-vascular & Pulmonary health, vital parameters as prescribed by concerned regulatory authority shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
13. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
14. To avoid vibration, no overcharging shall be carried out during blasting and muffle blasting shall be adopted. Blasting shall be carried out through certified blaster only and no explosive will be stored at mine site without permission from the competent authority.
15. Mine water should not be discharged from the lease and be used for sprinkling & plantations. For surface runoff and storm water garland drains and settling tanks (SS pattern) of suitable sizes shall be provided.
16. All garland drains shall be connected to settling tanks through settling pits and settled water shall be used for dust suppression, green belt development and beneficiation plant. Regular de-silting of drains and pits should be carried out.
17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area. PP shall take Socio-economic activities in the region through the 'Gram Panchayat'.

20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. All the mines where production is > 50,000 cum/year, PP shall develop its own website to display various mining related activities proposed in EMP & CER along with budgetary allocations. All the six monthly progress report shall also be uploads on this website along with MoEF&CC & SEIAA, MP with relevant photographs of various activities such as garland drains, settling tanks, plantation, water sprinkling arrangements, transportation & haul road etc. PP or Mine Manager shall be made responsible for its maintenance & regular updation.
24. All the soil queries, the maximum permitted depth shall not exceed 02 meters below general ground level & other provisions laid down in MoEF&CC OM No. L-11011/47/2011-IA.II(M) dated 24/06/2013.
25. The mining lease holders shall after ceasing mining operation, undertake re-grassing the mining area and any other area which may have been disturbed due to their mining activities and restore the land to a condition which is fit for growth of fodder, flora , fauna etc. Moreover, a separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
26. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEF&CCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
27. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
28. Authorization (if required) under Hazardous and Other Wastes (Management and Transboundary Movement) Rules, 2016 should be obtained by the PP if required.
29. A display board (in hindi) with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
    a. Lease owner's Name, Contact details etc.
    b. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
    c. Length, breadth, sanctioned depth of mine and mining time.
    d. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
    e. Method of mining (Mannual/Semi Mechanised) and Blasting or Non-blasting.
    f. Plantation and CER activities.
30. Dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
31. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out as per submitted plantation scheme and along the fencing seed sowing of Neem, Babool, Safed Castor etc shall also be carried out.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
34. Before onset of monsoon season as per submitted plantation scheme fruit bearing species preferably of fodder / native shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/

Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.

35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
36. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

Annexure- 'B'

Standard conditions applicable for the Sand Mine Quarries*

1. District Authority should annually record the deposition of sand in the lease area (at an interval of 100 meters for leases 10 ha or > 10.00 ha and at an interval of 50 meters for leases < 10 ha.) before monsoon & in the last week of September and maintain the records in RL (Reduce Level) Measurement Book. Accordingly authority shall allow lease holder to excavate only the replenished quantity of sand in the subsequent year.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
4. Only registered vehicles/tractor trolleys with GPS which are having the necessary registration and permission for the aforesaid purpose under the Motor Vehicle Act and also insurance coverage for the same shall alone be used for said purpose.
5. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
6. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
7. Sand and gravel shall not be extracted up to a distance of 1 kilometer (1Km) from major bridges and highways on both sides, or five times (5x) of the span (x) of a bridge/public civil structure (including water intake points) on up-stream side and ten times (10x) the span of such bridge on down-stream side, subjected to a minimum of 250 meters on the upstream side and 500 meters on the downstream side.
8. Mining depth should be restricted to 3 meters or water level, whichever is less and distance from the bank should be $1/4^{th}$ or river width and should not be less than 7.5 meters. No in-stream mining is allowed. Established water conveyance channels should not be relocated, straightened, or modified.
9. Demarcation of mining area with pillars and geo-referencing should be done prior to the start of mining.
10. PP shall carry out independent environmental audit atleast once in a year by reputed third party entity and report of such audit be placed on public domain such audits be placed on public domain through website developed for public interface along with photographs of work done w.r.t. EMP as well as CER.
11. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
12. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 and Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining, 2020 issued by the MoEF&CC ensuring that the annual replenishment of sand in the mining lease area is sufficient to sustain the mining operations at levels prescribed in the mining plan.
13. If the stream is dry, the excavation must not proceed beyond the lowest undisturbed elevation of the stream bottom, which is a function of local hydraulics, hydrology, and geomorphology.
14. After mining is complete, the edge of the pit should be graded to a 2.5:1 slope in the direction of the flow.
15. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
16. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
17. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest

shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights. All these facilities such as rest shelters, site office etc. Shall be removed from site after the expiry of the lease period.

18. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020 and these details should be provided in Annual Environmental Statement.
19. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
20. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
21. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
22. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area.
23. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
24. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
25. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
26. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M dated 16/01/2020.
27. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
28. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
29. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
    g. Lease owner's Name, Contact details etc.
    h. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
    i. Length, breadth and sanctioned depth of mine.
    j. Minable Potential of sand mine.
    k. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
    l. Method of mining (Mannual/Semi Mechanised)
30. Following conditions must be implemented by PP in case of sand mining as per NGT (CZ) order dated 19/10/2020 in OA NO. 66/2020 and SEIAA's instruction vide letter No. 5084 dated 09/12/2020.
    i. The Licensee must use minimum number of poclains and it should not be more than two in the project site.
    ii. The District Administration should assess the site for Environmental impact at the end of first year to permit the continuation of the operation.
    iii. The ultimate working depth shall be 01 m from the present natural river bed level and the thickness of the sand available shall be more than 03 m the proposed quarry site.
    iv. The sand quarrying shall not be carried out blow the ground water table under any circumstances. In case, the ground water table occurs within the permitted depth at 01 meter, quarrying operation shall be stopped immediately.
    v. The sand mining should not disturb in any way the turbidity, velocity and flow pattern of the river water.
    vi. After closure of the mining, the licensee shall immediately remove all the sheds put up in the quarry and all the equipments used for operation of sand quarry. The roads/pathways shall be leveled to let the river resume its normal course without any artificial obstruction to the extent possible.
    vii. The mined out pits to be backfilled where warranted and area should be suitable landscaped to prevent environmental degradation.

viii. PP shall adhere to the norms regarding extent and depth of quarry as per approved mining plan. The boundary of the quarry shall be properly demarcated by PP.

31. Species such as Khus Slips and Nagar Motha shall be planted on the river banks for bank stabilization and to check soil erosion while on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
34. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
36. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

Annexure- 'C'

Standard conditions applicable for the Sand deposits on Agricultural Land/ Khodu Bharu Type Sand Mine Quarries*

1. Mining should be done only to the extent of reclaiming the agricultural land.
2. Only deposited sand is to be removed and no mining/digging below the ground level is allowed.
3. The mining shall be carried out strictly as per the approved mining plan.
4. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
5. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
6. The mining activity shall be done as per approved mine plan and as per the land use plan submitted by PP.
7. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
8. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
9. For carrying out mining in proximity to any bridge and/or embankment, appropriate safety zone on upstream as well as on downstream from the periphery of the mining site shall be ensured taking into account the structural parameters, location aspects, flow rate, etc., and no mining shall be carried out in the safety zone.
10. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
11. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 issued by the MoEF&CC.
12. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.

13. Thick plantation shall be carryout on the banks of the river adjacent to the lease, mineral evacuation road and common area in the village. PP would maintain the plants for five years including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations.
14. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
15. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
16. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area.
20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
24. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
25. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
26. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
    m. Lease owner's Name, Contact details etc.
    n. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
    o. Length, breadth and sanctioned depth of mine.
    p. Minable Potential of sand mine.
    q. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
    r. Method of mining (Mannual/Semi Mechanised)

27. Species such as Khus Slips and Nagar Motha shall be planted on the nearby river banks for bank stabilization and to check soil erosion while dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
28. Dense plantation shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range

officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.

29. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out in the first year itself as per submitted plantation scheme.
30. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
31. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. Plantation in adjoining forest land shall be carried out through concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
32. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
33. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
34. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
35. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.
36. The monitoring of the compliance of the conditions incorporated in the Environmental Clearance issued prior to the State Mining Corporation shall be carried out through the District mining office at District level and compliances be communicated to SEIAA within 06 months.
37. Riparian habitat including vegetative cover on and adjacent to the river bank controls erosion, provide nutrient inputs into the stream and prevent intrusion of pollutatns in the stream through runoff. Bank erosion and change of morphology of the river can destroy the riparian vegetative cover should be protected.
38. Demarcation of mining area with pillars and geo-referencing should be done prior to start of mining.
39. The State Mining Corporation shall constitute an Environmental Cell including minimum of three persons qualified in the field to ensure the compliance of EC conditions.
40. The State Mining Corporation shall ensure the compliance of the different provision made in the Sand Mining Management Guidelines-2016 & Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining 2020, with Special reference to the para 4.3 and para-8 at page no. 45 of the said Guidelines.
41. Sand and gravel shall not be allowed to be extracted where erosion may occur, such as at the concave bank.
42. The slope of mining area adjacent to agricultural fields should be proper (preferably 45 degree) and adequate gap (minimum 10 feet) be left from adjacement agricultural field to avoid erosion and scouning.
43. In sand mining over other areas apart from river bed replenishment study in the said area be carriedout every year by Mining Officer and subject to availability of sand quantity mining should allowed by Mining Officer during EC period as Sand replacement in such areas are subject to certain conditions and not a regular feature.
44. The top soil in Khodu-Bharu Sand mine shall be stored separately and shall be used for agriculture field only; it should not be washed away during sand washing process.

Annexure- 'D'

General conditions applicable for the granting of TOR

1. The date and duration of carrying out the baseline data collection and monitoring shall be informed to the concerned Regional Officer of the M.P Pollution Control Board.
2. During monitoring, photographs shall be taken as a proof of the activity with latitude & longitude, date, time & place and same shall be attached with the EIA report. A drone video showing various sensitivities of the lease and nearby area shall also be shown during EIA presentation.
3. An inventory of various features such as sensitive area, fragile areas, mining / industrial areas, habitation, water-bodies, major roads, etc. shall be prepared and furnished with EIA.
4. An inventory of flora & fauna based on actual ground survey shall be presented.
5. Risk factors with their management plan should be discussed in the EIA report.
6. The EIA report should be prepared by the accredited consultant having no conflict of interest with any committee processing the case.
7. The EIA document shall be printed on both sides, as far as possible.
8. All documents should be properly indexed, page numbered.
9. Period/date of data collection should be clearly indicated.
10. The letter /application for EC should quote the SEIAA case No./year and also attach a copy of the letter prescribing the TOR.
11. The copy of the letter received from the SEAC prescribing TOR for the project should be attached as an annexure to the final EIA/EMP report.
12. The final EIA/EMP report submitted to the SEIAA must incorporate all issues mentioned in TOR and that raised in Public Hearing with the generic structure as detailed out in the EIA report.
13. Grant of TOR does not mean grant of EC.
14. The status of accreditation of the EIA consultant with NABET/QCI shall be specifically mentioned. The consultant shall certify that his accreditation is for the sector for which this EIA is prepared. If consultant has engaged other laboratory for carrying out the task of monitoring and analysis of pollutants, a representative from laboratory shall also be present to answer the site specific queries.
15. On the front page of EIA/EMP reports, the name of the consultant/consultancy firm along with their complete details including their accreditation, if any shall be indicated. The consultant while submitting the EIA/EMP report shall give an undertaking to the effect that the prescribed TORs (TOR proposed by the project proponent and additional TOR given by the MOEF & CC) have been complied with and the data submitted is factually correct.
16. While submitting the EIA/EMP reports, the name of the experts associated with involved in the preparation of these reports and the laboratories through which the samples have been got analyzed should be stated in the report. It shall be indicated whether these laboratories are approved under the Environment (Protection) Act, 1986 and also have NABL accreditation.
17. All the necessary NOC's duly verified by the competent authority should be annexed.
18. PP has to submit the copy of earlier Consent condition /EC compliance report, whatever applicable along with EIA report.
19. The EIA report should clearly mention activity wise EMP and CER cost details and should depict clear breakup of the capital and recurring costs along with the timeline for incurring the capital cost. The basis of allocation of EMP and CER cost should be detailed in the EIA report to enable the comparison of compliance with the commitment by the monitoring agencies.
20. A time bound action plan should be provided in the EIA report for fulfillment of the EMP commitments mentioned in the EIA report.
21. The name and number of posts to be engaged by the PP for implementation and monitoring of environmental parameters should be specified in the EIA report.
22. EIA report should be strictly as per the TOR, comply with the generic structure as detailed out in the EIA notification, 2006, baseline data is accurate and concerns raised during the public hearing are adequately addressed.
23. The EIA report should be prepared by the accredited consultant having no conflict of interest with any committee processing the case.
24. Public Hearing has to be carried out as per the provisions of the EIA Notification, 2006. The issues raised in public hearing shall be properly addressed in the EMP and suitable budgetary allocations shall be made in the EMP and CER based on their nature.
25. Actual measurement of top soil shall be carried out in the lease area at minimum 05 locations and additionally N, P, K and Heavy Metals shall be analyzed in all soil samples. Additionally in one soil sample, pesticides shall also be analyzed.

26. A separate budget in EMP & CER shall be maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
27. PP shall submit biological diversity report stating that there is no adverse impact in- situ and on surrounding area by this project on local flora and fauna's habitat, breeding ground, corridor/ route etc. This report shall be filed annually with six-monthly compliance report.
28. The project proponent shall provide the mitigation measures as per MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area" with EIA report.
29. LPG gas may be provided for camping labour under "Ujjwala Yojna .
30. In the project where ground water is proposed as water source, the project proponent shall apply to the competent authority such as Central Ground Water Authority (CGWA) as the case may be for obtaining, No Objection Certificate (NOC).
31. Consideration of mining proposals involving violation of the EIA Notification, 2006, the project proponent shall give an undertaking by way of affidavit to comply with all the statutory requirements and judgment of Hon'ble Supreme Court of India dated 02/08/2017 in WP © No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause V/s Union of India & others before grant of TOR/EC. The under taking interalia includes commitment of the PP not to repeat any such violation in future as per MoEF&CC OM No. F.NO. 3-50/2017-IA.III (Pt.) dated 30/05/2018.
32. The mining project proponents involving violations of the EIA Notification, 2006 under the provisions of S.O. 804 (E) dated 14/03/2017 and subsequent amendments for TOR/EC shall give an undertaking by way of affidavit to comply with all the statutory requirements and judgment of Hon'ble Supreme Court dated the 2nd August 2017 in Writ Petition (Civil) No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause versus Union of India and Ors. Before grant of TOR/EC the undertaking inter-alia include commitment of the PP not to repeat any such violation of future. In case of violation of above undertaking, the TOR/Environmental Clearance shall be liable to be terminated forthwith.
33. If the allotted land is private land and agricultural practices are being carriedout in the nearby area, the effect of mining on agricultural practices shall be studied and dicussed in the EIA report with the economic value of agricultural produce for last three yaears and details of total land holding of the PP in that district.
34. In case of mining on land where the land belongs to Charagah (Grazing) as per P-II form, proposal for development of equal area of land as grazing land shall be submitted with EIA report with its budgetary provisions. This Grazing land can be developed in consultation with DFO or Gram Panchayat of concerned area.
35. Under CER scheme commitments with physical targets shall be included in EIA report for:

    - ✓ Proposal for CER activities based upon commitment made during public hearing and COVID-19 pandemic.
    - ✓ Activities such as solar panels in school, awareness camps for Oral Hygiene, Diabetes and Blood Pressure, works related to plantation (distribution of fruit & fodder bearing trees) vaccination, cattle's health checkup etc. in concerned village shall be proposed.
    - ✓ No fuel wood shall be used as a source of energy by mine workers. Thus proposal for providing solar cookers / LPG gas cylinders under "Ujjwala Yojna" to them who are residing in the nearby villages, shall be considered.
    - ✓ PP's commitment that activities proposed in the CER scheme will be completed within initial 03 years of the project and in the remaining years shall be maintained shall be submitted with EIA report.

36. Under Plantation Scheme commitments with budgetary allocations shall be included in EIA report for :
    - ✓ Comprehensive green belt plan with commitment that entire plantation shall be carried out in the initial three years and will be maintained thereafter with causality replacement. Proposal for distribution of fruit bearing species for nearby villagers shall also be incorporated in the plantation scheme and for which a primary survey for need assessment in concerned village shall be carried out.
    - ✓ Commitment that plantation shall be carried out preferably through Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.

- ✓ Commitment that high density plantation (preferably using "Miyawaki Technique or WALMI technique) shall be developed in 7.5m barrier zone left for plantation through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency.
- ✓ Commitment that local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land suitable for the purpose through Forest Department/ through Gram Panchayat on suitable community land in the concerned village area.
- ✓ PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
- ✓ Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, minimum 50 saplings be planted considering 80% survival.
- ✓ Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.

FOR PROJECTS LOCATED IN SCHEDULED (V) TRIBAL AREA , following should be studied and discussed in EIA Report before Public Hearing as per the instruction of SEIAA vide letter No. 1241 dated 30/07/2018.

37. Detailed analysis by a National Institute of repute of all aspects of the health of the residents of the Schedule Tribal block.
38. Detailed analysis of availability and quality of the drinking water resources available in the block.
39. A study by CPCB of the methodology of disposal of industrial waste from the existing industries in the block, whether it is being done in a manner that mitigate all health and environmental risks.
40. The consent of Gram Sabah of the villages in the area where project is proposed shall be obtained.

खदान क्षेत्र मे किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश :–

नोट 1 :– स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए ।

नोट 2 :– विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रूचि रखने वाले स्थानीय जानकारो से राय ली जाने की सलाह है ।

नोट 3 :– पौधो की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख–रेख, मृदा नमीं को बनाये रखने हेतु मल्चिंग जल–संरचनाओं का निर्माण, निदाई–गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए ।

नोट 4 :– परिवहन मार्ग के किनारे लगाये जाने वाले पेड़ो के चारो ओर ट्री गार्ड होना आवश्यक है । इसी प्रकार स्कूल/ ऑगनवाडी/पंचायत भवन इत्यादि में प्रस्तावित वृक्षारोपणो के चारो ओर सुरक्षा के इंतजाम जैसे फेंसिग/ट्री गार्ड आवश्यक रूप से प्रस्तावित किये जाये ।

नोट 5 :– भू–क्षरण स्थल पाये जाने पर भू–संरक्षण का कार्य (विशेष रूप से वाटर चेनल के किनारे तथा उत्पत्ति स्थान पर) किया जाना चाहिए।

नोट 6 :– रोपित पौधो का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम्	गोलाई न्यूनतम्
1.	बैरियर जोन/नॉन माईनिंग क्षेत्र	02.5 – 03.0 फिट	03–05 से. मी.
2.	रोड़ साईड/स्कूल/ ऑगनवाडी	03.5 – 05.5 फिट	05–10 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई–गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) तीन वर्षो तक ।		
4.	आवश्यक्तानुसार सिंचाई एवं प्राथमिकता पर जैविक खाद		

नोट 7 :– बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख–रेख –

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई उपचार, वर्षा पूर्व रोपण। जामुन, महुँआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् रोपण ।
- अंकुरण पश्चात् 4 से 6 पत्तियॉ आने पर, पौधे के चारों तरफ निदाई–गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना।
- बीज रोपण तीन वर्षो तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना ।
- सीड–बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है।

नोट – 8 :– रेत के प्रकरणों में (पौधो की ऊँचाई न्यूनतम् 1.5 मीटर)

1	एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति की दूरी एवं दूसरी से तीसरी पंक्ति शाकीय पौधे जैसे : खस, घास, अगेव स्थानीय घास बीजप्रजातियॉ।	1.00 से 1.5 मीटर (पंक्ति में पौधो के बीच की दूरी 10 से 15 सेंटीमीटर)
2	4 पंक्ति से 5वीं पंक्ति (वृक्ष प्रजाति)	न्यूनतम् दूरी 3 मीटर (पौधों के बीच में दूरी 03 मीटर)
3	6वीं पंक्ति 3.0 से 5.0 मीटर (वृक्ष प्रजाति)	पौधों के बीच में 3 से 5 मीटर

- (चयनित प्रजातियों एवं नदी के किनारों पर भूमि की उपलब्धता को ध्यान में रखकर आवंटित क्षेत्र से बाहरी दिशा में 10 से 15 मीटर की चौड़ाई में हरित पट्टी विकसित किया जाये)
- नोट – 9 :– छठी पंक्ति हेतु पौधों की सुरक्षा अवधि न्यूनतम् 3 वर्ष
- जामुन, कहवा, करंज, नीम, पौधों में पौधों की दूरी 2.5 मीटर से 5 मीटर लसोड़ा, करंज, आम, इत्यादि ।
- नोट – प्रथम तीन पंक्तियों के पौधों के मध्य में एक वर्षीय औषधि प्रजातियों का बीच छिड़काव ।

1	पहली, दूसरी, तीसरी पंक्ति हेतु (स्थानीय घांस प्रजातियॉ, खस घास बीजअगेव आदि)	पंक्ति से पंक्ति की दूरी 01 से 10.5 फीट पंक्ति में पौधों से पौधों की दूरी 10 से 15 सेंटीमीटर ।
2	स्थाानीय झाड़ी प्रजाति के पौधे	01 11.6 फीटर
3	चौथी से पॉचवी, छठवीं पंक्ति हेतु बॉस एवं स्थानीय झाड़ी प्रजाति ।	पंक्ति की दूरी 2.5 मीटर से 3 मीटर पंक्ति में पौधों की दूरी 3 मीटर से 5 मीटर

- मौसमी नदी के न्यूनतम 05 मीटर तथा पेरिनियल रिवर में न्यूनतम 10मी तक घाटो के किनारे स्थित वृक्षो, झाडियों, लताओ को और घास को क्षति नहीं पहॅूचाई जायेगी।
- रेत निकासी परिवहन मार्ग निजी भूमि से होकर जाता है तो संबंधित कृषक/कृषको से सहमति पश्चात् ही परिवहन किया जायेगी ।
- खदान संचालन शुरू करने के पहले परियोजना प्रस्तावक जिला मत्स्य पालन विभाग अधिकारी का अभिमत प्राप्त करेंगा कि खनन् क्षेत्र में कोई च्तवदम ठतममकपदह ब्मदजमत तो नहीं है और यदि किसी क्षेत्र का संज्ञान होगा तो अनुकूल रोकथाम के उपाय विषय विशेषज्ञ के सुझाव अनुसार अपनाये जायेंगे ।